प्रशासकीय समिति के सदस्य

श्री अजय सूरी (अध्यक्ष)
श्री शिव रमन गौर (कोषाध्यक्ष)
डॉ. रमेश आर्या
श्री ए. के. शर्मा
डॉ. एन. के. ओबरॉय
श्री जे. के. कपूर
श्री अरविन्द घई
डॉ. डी. वी. सेठी
श्री नानक चंद
ब्रिगेडियर ए. के. अधलखा
श्री आर. सी. जीवन
श्रीमती रीता गुप्ता
प्रो. सईद मेहरताज बेग़म
प्रो. अबंती भट्टाचार्य
डॉ. वीना
डॉ. अंकित अग्रवाल
डॉ. अनीता बजाज
डॉ. मृदुला अरोड़ा
प्रो. रवीन्द्र कुमार गुप्ता (प्राचार्य, सांध्य कॉलेज)
प्रो. कृष्णा शर्मा (प्राचार्य, प्रातः कॉलेज)
श्री पवन कुमार मैठानी
श्री राजेश खन्ना

कार्यक्रम

तिथि - ....

मुख्य अतिथि

श्री.............

माननीय.............

अध्यक्षता

श्री ....
(अध्यक्ष, प्रशासकीय समिति)

वार्षिक विवरण प्रस्तुति

प्रो. रवीन्द्र कुमार गुप्ता

(प्राचार्य)

वार्षिक विवरण लेखन

(   )

प्राध्यापक वर्ग की उपलब्धियाँ

हमारे कॉलेज में इस समय कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय के अंतर्गत कुल **80** प्राध्यापक कार्यरत हैं। विगत वर्षों की तरह इस वर्ष भी हमारे योग्य एवं कर्मठ प्राध्यापकों ने शिक्षा, साहित्य, समाज आदि विविध क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। जिसका संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है —

- अंग्रेजी विभाग –
- ❖ श्रीमती रेणुका धर बजाज ने मार्च, **2022** को 'हिंदू जनजागृति समिति' द्वारा "कश्मीर में कश्मीरी पंडित नरसंहार के पीछे का सच" विषय पर आयोजित एक परिचर्चा में भाग लिया। 'द कश्मीर फाइल्स' फिल्म पर रेणुका जी के विचारों को जानने के लिए अप्रैल में, **India Today, ANI** और कई अन्य समाचार चैनलों ने उनका साक्षात्कार लिया।

- ❖ श्रीमती प्रियंका चटर्जी ने कॉलेज में **"**भाषा शिक्षण अधिगम पाठ्यक्रम**"** के अंतर्गत बांग्ला भाषा की विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थिति दर्ज़ कराई। इस पाठ्यक्रम के लिए **5** अगस्त, **2021** से **28** नवम्बर, **2021** तक साप्ताहिक ऑनलाइन कक्षाएं हुई।
- ❖ अर्थशास्त्र विभाग –
- ❖ श्रीमती गीता आहुजा अर्थशास्त्र विभाग से सहायक प्रोफेसर से एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत हुईं।

- इतिहास विभाग –
- इतिहास विभाग के डॉ. मोतिउर रहमान खाँ ने **15** दिसंबर, **2021** को अदिति महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय) बवाना में 'लाल किला: ए ग्रेट इंडियन हेरिटेज' विषय पर अपना महत्त्वपूर्ण व्याख्यान दिया।
-
- डॉ. श्रुति विप ने ,**1**अप्रैल, **2021** से अप्रैल, **2022** तक **UGC** एवं **CEC** के द्वारा ऑनलाइन व्याख्यानों की एक लंबी श्रृंखला वितरित की गई, जिसके अंतर्गत 'असमानता और अंतर' पर (**4** व्याख्यान), '**1500** ई. से **1950** ई. तक के भारतीय इतिहास में महिलाएं' विषय पर (**10** व्याख्यान) आयोजित किये। श्रुति जी ने **"**अंतर्राष्ट्रीय विश्व विरासत दिवस **2022"** पर **18** अप्रैल, **2022** को इंटर यूनिवर्सिटी एक्सेलेरेटर सेंटर, **UGC**, दूरस्थ शिक्षा की **CEC** पहल के तत्त्वावधान में एक विशेष व्याख्यान दिया। अंतर विश्वविद्यालय त्वरक केंद्र, **UGC**, दूरस्थ शिक्षा की **CEC** पहल के तत्त्वावधान में **4** अप्रैल, **2022** को 'उपनिवेशवाद और राष्ट्रवाद' पर एक विशेष सांकेतिक भाषा व्याख्यान दिया। आपने **"**अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस**"** पर **8** मार्च, **2022** को इंटर यूनिवर्सिटी एक्सेलेरेटर सेंटर, **UGC**, दूरस्थ शिक्षा की **CEC** पहल के तत्त्वावधान में व्याख्यान दिया। आपके द्वारा **25** नवंबर, **2021** को इंटर यूनिवर्सिटी एक्सेलेरेटर सेंटर, **UGC**, दूरस्थ शिक्षा की **CEC** पहल के तहत 'महिलाओं के खिलाफ हिंसा का उन्मूलन' पर एक विशेष व्याख्यान दिया गया। आपने दूरस्थ शिक्षा की **CEC** पहल, इंटर यूनिवर्सिटी एक्सेलेरेटर सेंटर, **UGC** के तत्त्वावधान में **10** दिसंबर, **2021** को "मानवाधिकार" पर एक विशेष व्याख्यान दिया गया। "नेशनल लिब्रेशन मूवमेंट्स इन **20**वीं संचुरी" पेपर की संयोजिका के रूप में ओपन बुक एग्जामिनेशन **UG** कोर्स मई-जुलाई, **2022** के लिए प्रश्न पत्र तैयार किया।
-
- हिन्दी विभाग–

- ❖ हिन्दी विभाग से डॉ. आशा रानी, डॉ. हरीश अरोड़ा व डॉ. मीना शर्मा क्रमशः तीनों **29** नवंबर, **2021** को एसोसिएट प्रोफेसर से पदोन्नत होकर प्रोफेसर बने।
- ❖
- ❖ प्रो. आशा रानी का 'सोशल मीडिया और दलित पत्रकारिता' नाम से आलेख "ज्ञानशौर्य इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल" में छपा। इसी दौरान 'वार की आबादकारी और बीसवीं सदी की पहली किसान लहर' नाम से अनूदित आलेख "किसान आन्दोलन : लहर भी, संघर्ष भी, जश्न भी" किताब में छपा। प्रोफेसर आशा जी को दो वर्ष के लिए दिल्ली एकेडमिक काउंसिल मेम्बर के रूप में चयनित किया गया और कई महत्त्वपूर्ण समितियों के सदस्य के रूप में

नियुक्त किया गया। दिल्ली विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग की ओर से इस वर्ष पीएच. डी. शोधकार्य के लिए निर्देशक के रूप में चयनित किया गया।

❖

❖ प्रो. हरीश अरोड़ा का इसी वर्ष "शब्द को प्रवेश करने दो" नाम से कविता संग्रह प्रकाशित हुआ।

❖

❖ प्रो. मीना शर्मा की अगस्त, **2021** में "नवजागरण और स्त्री" नाम से नई क़िताब प्रकाशन में आई। इसी वर्ष "समय-मीमांसा" पत्रिका में 'शिक्षा और शांति' नाम से आलेख प्रकाशित हुआ। 'सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से हिंदी कल, आज और कल' आलेख **"National Journal of Hindi & Sanskrit research"** में छपा। वर्ष **2021** में ही उनका शोध पत्र 'सुभाष चन्द्र बोस: एक स्वाधीन आत्मा' नाम से "समसामयिक सृजन" पत्रिका में छपा। 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सामाजिक सरोकार की पत्रकारिता' नामक आलेख **"National journal of Hindi and Sanskrit research"** में छपा। मीना जी का मूलतारीमल मोदी कॉलेज में जूनियर रिसर्च फेलोशिप के बाहरी परीक्षक के रूप में चयन हुआ। मार्च **2022** को "अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस" के उपलक्ष्य पर 'जागृति' मंच पर "महिलाओं के विविध आयाम: कानूनी संदर्भ में" विषय पर व्याख्यान दिया। आपने **5** मई, **2022** को हीरो मोटर कार्पोरेशन के सौजन्य से "सडक पर सुरक्षा और बचाव" पर वर्कशॉप आयोजित की।

❖ डॉ. डिम्पल गुप्ता ने जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज के 'हिंदी विभाग' एवं 'साहित्य संचय शोध संवाद फाउंडेशन' द्वारा संयुक्त रूप से **30 - 31** अक्टूबर, **2021** को "समकालीन रचनाएं एवं रचनाकार" विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में प्रवासी साहित्यकार तेजेंद्र शर्मा' विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया जो "समकालीन साहित्य एवं हिंदी परिदृश्य" नामक पुस्तक में प्रकाशित हुआ। "आदिवासी समाज और साहित्य" **2021** में प्रकाशित पुस्तक में आपका 'आदिवासी साहित्य और संस्कृति' लेख प्रकाशित हुआ। 'छायावादी कवि निराला की राष्ट्रीय चेतना' शीर्षक से शोध पत्र पत्रिका "सहृदय" में 'छायावाद : संदर्भ सापेक्षता विशेषांक' (भाग **-1**) जुलाई **-** दिसंबर, **2021** अंक में लेख प्रकाशित हुआ ।

❖ वाणिज्य विभाग –

❖ श्री रमेश कुमार का अक्टूबर **2021** में **'A Study on significance and impact of Corporate Governance: A Generic Analysis'** (कॉरपोरेट गवर्नेंस के महत्व और प्रभाव पर एक अध्ययन: एक सामान्य विश्लेषण) नाम से **Empirical Economics Letters International Journal** के स्पेशल इशू "प्रैक्टिस ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एंड इकोनॉमिक्स" में शोध पत्र छपा। 'महामारी के दौरान शिक्षा क्षेत्र में ई-मार्केटिंग की भूमिका' आलेख **"E-Learning Management - A Modern Approach to Digital India & Challenges in 21st Century"** पुस्तक में छपा। रमेश जी ने **- A System of Basel 5 Accord For Risk Management in Banks** ('बैंकों में जोखिम प्रबंधन के लिए बेसल 5 समझौते की एक प्रणाली') पेटेंट **(2021105621), Derivative Trading Assessment System And Method Based On Machine Learning (2021104461)** पेटेंट प्राप्त किये। **BPSMV** सोनीपत द्वारा "अनुसंधान पद्दति तथा डेटा विश्लेषण" विषय पर आयोजित ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला **(FDP)** में **22** से **28** फरवरी तक भाग लिया। इसी वर्ष **"Security Analysis and Portfolio Management" and "Business Finance"** नाम से दो पुस्तकें **'Scientific International Publication House'** से प्रकाशित हुईं।

❖ डॉ. सोनिका नागपाल का जनवरी, **2022** को **"Journal of Creative Communications"** पुस्तक में **'Impact of Pandemic Communication on Brand-Specific Outcomes: Testing the Moderating Role of Brand Attitude and Product Category'** शीर्षक से एक शोध पत्र छपा ।

❖ डॉ. करिश्मा सारस्वत का "एम्पिरिकल इकोनॉमिक्स लेटर्स" नामक पत्रिका में **'Strategic Analysis of Merger between Kotak Mahindra Bank and ING Vysya Bank using CAMEL Approach - for 5 years Pre and Post merger'** शोध पत्र छपा ।

❖ गणित विभाग –

❖ श्री हरिप्रताप का **'Comparative study of DST interpolation approach of fractional order'** आलेख **"Journal of Mathematics and Computational Sciences" (2021)** में प्रकाशित हुआ। मार्च, **2021** में **'Machine Learning, Advances in Computing, Renewable Energy and Communication'** विषय पर तीसरी अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस में **"Design Flaws and Cryptanalysis of a Lightweight Mutual Authentication Protocol for V2V Communication in Internet of Vehicles Number"** शीर्षक से पेपर स्वीकार किया गया।

- राजनीति विज्ञान विभाग –
- डॉ. बासुकी नाथ चौधरी, डॉ. शुभेंदु रंजन राज और डॉ. कृष्ण मुरारी क्रमशः एसोसिएट प्रोफेसर से प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत हुए।

- शारीरिक शिक्षा विभाग –
- डॉ. प्रमोद कुमार सेठी को पीएच. डी. अनुसंधान डिग्री समिति **(RDC)** द्वारा **8** अप्रैल, और **9** अप्रैल, **2022** को डी.ए.वी. महाविद्यालय, जालंधर, (पंजाब) द्वारा शारीरिक शिक्षा विभाग में पीएच. डी. शोधार्थियों की थीसिस मूल्यांकन के लिए बाहरी परीक्षक व विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त किया गया। आपकी मेवाड़ विश्वविद्यालय और भूपाल नोबल्स विश्वविद्यालय, राजस्थान के शारीरिक शिक्षा विभाग की पीएच. डी. थीसिस मूल्यांकन के लिए परीक्षक के रूप में नियुक्ति हुई। इसी सत्र में आपका शोध पत्र **'Technological Advancement in Olympic Weightlifting'** शीर्षक से **"Journal of Sports Science and Nutrition"** के जुलाई-दिसंबर, अंक **2021** में प्रकाशित हुआ। आपका दूसरा शोधपत्र **'Relationship between Quadriceps, Gluteus and Hip Flexors Muscle Power and Olympic Weightlifting skills Performance'** शीर्षक से **"International Journal of Physiology, Nutrition and Physical Education" Jan-Jun, 2022** में प्रकाशित हुआ। खेल प्रशिक्षण से जुड़ी आपकी पुस्तक **"Basic Principles of Sports Training"** इसी वर्ष नई दिल्ली से प्रकाशित हुई। इसके साथ ही आपको शारीरिक शिक्षा विभाग, डी.ए.वी. कॉलेज, जालंधर (पंजाब) में **8-9** अप्रैल, **2022** को "खेल प्रशिक्षण" पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया। आपको दिल्ली विश्वविद्यालय के अलावा विभिन्न विश्वविद्यालयों की समितियों का मेंबर बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। अध्यक्ष, विश्वविद्यालय खेल परिषद, दिल्ली विश्वविद्यालय एवं दिल्ली विश्वविद्यालय खेल कोटा प्रवेश, **2021-2022** की समिति के महत्त्वपूर्ण सदस्य नियुक्त किये गए। दिल्ली विश्वविद्यालय खेल परिषद, **2021-2022** द्वारा अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय चैंपियनशिप में भाग लेने वाली दिल्ली विश्वविद्यालय भारोत्तोलन टीम की चयन परीक्षण समिति के संयोजक नियुक्त किये गए। दिल्ली विश्वविद्यालय खेल परिषद, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय चैंपियनशिप में भाग लेने वाली दिल्ली विश्वविद्यालय जूडो टीम की चयन परीक्षण समिति के सदस्य नियुक्त किये गए। प्रश्नपत्र निर्धारण समिति के संयोजक एवं सदस्य के रूप में शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय के विभाग प्रमुख द्वारा बी.ए. (प्रोग्राम) दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रश्न पत्र (सिद्धांत) की स्थापना समिति के संयोजक और सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया। शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान के विभाग प्रमुख द्वारा हमारे कॉलेज में बी.ए. (प्रोग्राम) के चौथे और छठे सेमेस्टर के छात्रों के प्रैक्टिकल के लिए एक आन्तरिक परीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया। शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रमुख द्वारा गांधी शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय के चौथे सेमेस्टर और बी.एस.सी. शारीरिक शिक्षा एवं छठे सेमेस्टर के छात्रों के मास्टर ऑफ फिजिकल एजुकेशन के प्रैक्टिकल के लिए एक बाहरी परीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया। श्री कल्ला जी वैदिक विश्वविद्यालय, चित्तौड़गढ़, राजस्थान में परीक्षा नियंत्रक द्वारा आपको बी.ए. द्वितीय (योग) के पेपर सेटिंग के लिए नियुक्त किया गया।
- पर्यावरण अध्ययन विभाग –
- डॉ. मयंक पाण्डेय का आलेख **'Impact of Covid -19 induced lockdown and unlock down phases on the ambient air quality of Delhi, Capital City of India'** शीर्षक से **"Urban Climate"** नामक अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक जर्नल में छपा। डॉ. मयंक पाण्डेय की पुस्तक "नवीकरणीय ऊर्जा संसाधन" सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रकाशित हुई तथा इस पुस्तक को नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा "अक्षय ऊर्जा योजना" के अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। डॉ. मयंक ने शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग के तत्त्वावधान में रामानुजन कॉलेज, (दिल्ली विश्वविद्यालय) टीचिंग लर्निंग सेंटर तथा पर्यावरण विभाग द्वारा आयोजित **"21** वीं सदी के पर्यावरण मुद्दों, चुनौतियों और समाधान" विषय पर **15** जुलाई से **29** जुलाई, **2021** तक ऑनलाइन दो सप्ताह के रिफ्रेशर पाठ्यक्रम में भाग लिया। डॉ. मयंक पाण्डेय ने "राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संदर्भ में एम.ओ.ओ.सी. और ई-लर्निंग" पर एक सप्ताह के ऑनलाइन संकाय संवर्धन कार्यक्रम में भाग लिया, जिसे दिल्ली स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी एंड गवर्नेंस, इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय और न्यायिक अकादमी, असम और भारतीय शिक्षण मंडल और राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से **18** अक्टूबर से **24** अक्टूबर, **2021** तक आयोजित किया गया। आपने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान और केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड द्वारा संयुक्त रूप से "चाइल्ड सेंट्रिक डिजास्टर रिस्क रिडक्शन" (बाल केंद्रित आपदा जोखिम न्यूनीकरण) विषय पर तीन

दिवसीय (20 अक्टूबर से 22 अक्टूबर, 2021) ऑनलाइन प्रक्रिया में हिस्सा लिया। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग के तत्वावधान में रामानुजन कॉलेज, (दिल्ली विश्वविद्यालय) टीचिंग लर्निंग सेंटर तथा पर्यावरण विभाग द्वारा आयोजित "पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य" विषय पर 28 मार्च से 11 अप्रैल, 2022 तक ऑनलाइन दो सप्ताह के पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया।

- मई 2022 में पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज सांध्य को भारत सरकार के संसदीय कार्य मंत्रालय के तहत "राष्ट्रीय युवा संसद योजना" में पंजीकृत कराया गया। आगामी समय में कॉलेज में राष्ट्रीय युवा संसद योजना के तहत कार्यक्रमों और गतिविधियों का संचालन किया जाएगा।

- कौटिल्य परिषद्
- संयोजिका - श्रीमती गीता आहूजा

कॉलेज के अर्थशास्त्र विभाग की 'कौटिल्य परिषद' ने **T.I.M.E.** संस्थान के साथ मिलकर **12** नवंबर, **2021** को **"**इंडियन इकोनॉमी: कोविड से पूर्व और बाद में**" (INDIAN ECONOMY: Pre & Post Covid)** विषय पर एक ऑनलाइन वार्ता का आयोजन किया। वार्ता में अतिथि वक्ता के रूप में सुश्री तरन्नुम नसीम रजा जी रही, जो वर्तमान में इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार में इंजिनियर हैं। सुश्री तरन्नुम ने अपने वक्तव्य की शुरुआत अर्थव्यवस्था क्या है **?** और यह **COVID** से कैसे प्रभावित हुई, को बताते हुए की। अपने वक्तव्य में उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसी आपदाओं में गरीब लोगों को कैसे कष्ट होतो है। उन्होंने अपने वक्तव्य में बताया कि भारत ने इस विकट स्थिति का कैसे सामना किया और कैसे हमारी अर्थव्यवस्था धीरे-धीरे पटरी पर लौट रही है। तरन्नुम जी ने इस बात पर भी चर्चा की, कि कैसे दुनिया कोविड के कारण होने वाली स्थिति से निपटने के लिए विभिन्न उपाय कर रही है व कैसे वैक्सीन और टीकाकरण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में मदद कर रहा है। कॉलेज के छात्रों ने कोरोना से जुड़े अनेक प्रश्न पूछे एवं उनकी बहुत-सी जिज्ञासाएं थी, जिनका उन्होंने शमन किया। उनसे मिली जानकारियां बहुत ही उपयोगी रही। विद्यार्थियों को न केवल वर्तमान आर्थिक संकटों के बारे में जानने को मिला बल्कि विकट परिस्थितियों से निपटने के लिए क्या कदम उठाने चाहिए, यह भी जानने को मिला। परिषद् ने **16** फरवरी, **2022** को "स्नातक के बाद अर्थशास्त्र में करियर विकल्प" विषय पर एक वेबिनार आयोजित किया, जिसमें मुख्य वक्ता श्री नील पनिकर थे, जो **T.I.M.E.** में एक वरिष्ठ संकाय सदस्य हैं। **T.I.M.E.** के साथ अपने **15+** वर्षों में, उन्होंने हजारों छात्रों को अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मार्गदर्शन किया है। अपने व्यापक ज्ञान के कारण वे एक पेशेवर करियर परामर्शदाता के रूप में जाने जाते हैं। वेबटॉक से पहले हर्ष राज और श्रेया ठाकुर को क्रमशः अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के रूप में घोषित किया गया।

गणित परिषद् **(FRACTALS)**

संयोजक - लेफ्टिनेंट हरी प्रताप

छात्र प्रतिनिधि - अभिषेक कुमार

प्रत्येक वर्ष की भांति इस बार भी गणित परिषद् **(FRACTALS)** ने शैक्षणिक सत्र में कई अकादमिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। अपने वार्षिक कार्यों का आरंभ 'फ्रेक्टल्स' ने नवागंतुक छात्रों के स्वागत समारोह 'प्रभाव' से किया, जिसका आयोजन **22** जनवरी, **2022** को किया गया। "ऑप्टिमाइजेशन एंड इट्स एप्लीकेशन" विषय पर गणित विभाग और वाणिज्य विभाग ने संयुक्त रूप से एक वेबिनार का आयोजन **12** मार्च, **2022** को किया, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में **IIT** दिल्ली से प्रोफेसर अपर्णा मेहरा रही। **30** अप्रैल, **2022** को 'फ्रेक्टल्स' संस्था ने अपने वार्षिक समारोह 'फंडामेंटा **2022**' का सफल आयोजन किया, जिसमें मैथमेटिकल प्रश्नोतरी, वैदिक ज्ञान, मैथमेटिकल प्रेजेंटेशन व अन्य कई कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया, जिसमें न केवल दिल्ली विश्वविद्यालय अपितु अन्य कई विश्वविद्यालयों के छात्रों ने भी भाग लिया। 'फ्रेक्टल्स' संस्था के अंतर्गत अकादमिक वर्ष **2021-22** का अंतिम कार्यक्रम तृतीय वर्ष के छात्रों का आशीर्वाद समारोह 'शुभेच्छा' था, जिसका आयोजन **5** मई, **2022** को किया गया।

मार्केटिंग और कंज्यूमर अवेयरनेस क्लब

संयोजिका - डॉ. अनीता बजाज

मार्केटिंग और कंज्यूमर अवेयरनेस क्लब का उद्देश्य विद्यार्थियों को सूचना प्रदान करना एवं **Paradigm Research** (प्रतिमान अनुसंधान) और समकालीन विषयों पर जानकारी प्रदान करना है। इस क्लब के द्वारा मार्केटिंग की विभिन्न

अवधारणाओं को समझने के लिए सेमिनार और वेबिनार का आयोजन किया जाता है जिससे विद्यार्थियों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने और अपने ज्ञान को बढ़ाने के लिए एक मंच प्रदान हो सके। इस क्लब का गठन वर्ष **2018** में किया गया था। क्लब के द्वारा विद्यार्थियों को डिजिटल मार्केटिंग, एक्सपेरिमेंटल मार्केटिंग, बज़ मार्केटिंग, रिलेशनशिप मार्केटिंग, ग्रीन / सस्टेनेबल मार्केटिंग, सी.आर.एम., रूरल मार्केटिंग, इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग, स्पोर्ट्स मार्केटिंग आदि से अवगत कराया जाता है। मार्केटिंग एंड कंज्यूमर अवेयरनेस क्लब ने इस वर्ष छात्रों के लिए **20-21**जनवरी, **2022** को गूगल मीट के माध्यम से दो प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। कार्यक्रम में मार्केटिंग क्लब की संयोजिका डॉ. अनीता बजाज ने कहा कि प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य मार्केटिंग की विभिन्न अवधारणाओं को व्यापक बनाना और एक ऐसा मंच प्रदान करना था जहां विद्यार्थी अपने ज्ञान और कौशल को बढ़ा सकें। पहली प्रतियोगिता 'मार्क-क्विज़, द मार्केटिंग क्विज़' के नाम से **20** जनवरी, **2022** को आयोजित की गई थी, जिसमें व्यवसाय और मार्केटिंग के क्षेत्र में छात्रों के ज्ञान और कौशल का परीक्षण करना था। प्रतियोगिता में **60** से अधिक छात्रों ने पंजीकरण कराया। छात्रों को एक निश्चित समय में गूगल फॉर्म के द्वारा कुछ प्रश्नो के उत्तर देने थे। इस प्रतियोगिता के पहले तीन विजेता कृतिका गुप्ता, सचिन कथूरिया और विख्यात मिश्रा रहें।

दूसरी प्रतियोगिता 'बिज़-पिच, द बिजनेस प्लान' प्रतियोगिता थी, जिसका आयोजन **21** जनवरी, **2022** को किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों को कुछ सार्थक सीखने का अनुभव प्रदान कराना था। प्रतिभागियों को एक नई सेवा या उत्पाद के विचार की कल्पना करनी थी और एक व्यवहार्य व्यावसायिक योजना बनानी थी तथा सफलतापूर्वक प्रस्तुत करना था। कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने **PPT** के माध्यम से अपनी प्रस्तुतियां दी। प्रतियोगिता के विजेता शशांक पाठक और निखिल बंसल थे, जिन्होंने क्रमशः एक **'organic beverage'** और एक **'fungible car'** बनाने पर अपने विचार प्रस्तुत किए। कॉलेज के **Zest -** मार्केटिंग क्लब, करियर गाइडेंस कमेटी और स्किल एंड इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप सेल **(SIEC)** ने **24** नवंबर, **2021** को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म ज़ूम पर डिजिटल मार्केटिंग पर एक वेबिनार का आयोजन किया। इस वेबिनार में डॉ. कल्पना कुमारन, एसोसिएट प्रोफेसर और **HOD - PGDM** डिज़िटल मार्केटिंग एंड ट्रांसफॉर्मेशन, आई.टी.एम. बिजनेस स्कूल कार्यक्रम की मुख्य वक्ता थी। उन्होंने डिजिटल मार्केटिंग के विभिन्न पहलुओं जैसे ई-कॉमर्स और ई-बिजनेस के बीच अंतर, ई-कॉमर्स से ई-बिजनेस में बदलाव, स्मार्ट फोन, इंटरनेट और डेटा के बीच अंतर्संबंध, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सर्च इंजन तथा डिजिटल मार्केटिंग के विभिन्न लाभों के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान की।

हिन्दी साहित्य सभा

संयोजक - डॉ. पुनीत चांदला छात्र प्रतिनिधि - अनुज भारद्वाज

"विश्व योग दिवस" के अवसर पर हिन्दी साहित्य सभा द्वारा **IQAC**, योगा क्लब, **NCC**, फोटोग्राफी क्लब और गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति (राजघाट) के संयुक्त तत्त्वावधान में आभासी पटल के माध्यम से महत्त्वपूर्ण व्याख्यान आयोजित किया गया। डॉ. अंकित शर्मा (स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय, देहरादून) इस महत्त्वपूर्ण व्याख्यान के विशिष्ट वक्ता के रूप में आमंत्रित किये गए। **13** जुलाई, **2021** को आभासी पटल के माध्यम से वार्षिकोत्सव के अंतर्गत अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिता **"**शंखनाद**"** (भाषण प्रतियोगिता) एवं **"**शब्दोत्सव**"** (निबंध प्रतियोगिता) के रूप में आयोजित की गई। कॉलेज प्राचार्य जी के उद्बोधन के साथ इस प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। भाषण के लिए वक्ताओं के सम्मुख "सदन का मत है कि कोरोना काल में सोशल मीडिया की भूमिका सकारात्मक रही है" विषय को रखा गया। अनेक महाविद्यालयों के प्रतिभागियों द्वारा अपने विचारों को विषय के पक्ष एवं विपक्ष में रखा गया। निर्णायक मंडल के रूप में डॉ. मयंक पांडेय (पर्यावरण विभाग) एवं श्री मनोज कुमार (राजनीति विज्ञान विभाग) ने सभी वक्ताओं को सुनने के पश्चात् , ईशी गुप्ता (**IIT** दिल्ली) को प्रथम, सुमन (मिरांडा हाउस) को द्वितीय तथा गीता (विवेकानंद महाविद्यालय) को तृतीय स्थान प्राप्त करने के लिए अपनी शुभकामनाएं एवं बधाई दी, तीनों विजयी प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। **5** जून, "विश्व पर्यावरण दिवस" के अवसर पर पर्यावरण के महत्त्व और इसे सुरक्षित रखने हेतु एक वीडियो बनाई गई जिसे सोशल मीडिया पर प्रेषित किया गया। **17** जुलाई "अन्तर्राष्ट्रीय न्याय दिवस" के अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा वीडियो के माध्यम से अपने विचार हिंदी साहित्य सभा के इंस्टाग्राम अकाउंट पर प्रेषित किए गए। **5** सितंबर "शिक्षक दिवस" के अवसर पर विद्यार्थियों ने वीडियो के रूप में अपने विचार साझा किए जिनमें शिक्षा और शिक्षक के महत्त्व को रेखांकित किया गया। इस वीडियो को इंस्टाग्राम हैंडल पर भी पोस्ट किया गया। **8** सितंबर को हिंदी विशेष के **(2017-2020)** व **(2018-2021)** बैच के उत्तीर्ण विद्यार्थियों को विदाई समारोह के अंतर्गत विभाग के समस्त शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य हेतु अपनी शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद प्रदान किया गया। **14** सितंबर "हिंदी दिवस" के अवसर पर आभासी पटल के माध्यम से एक महत्त्वपूर्ण व्याख्यान "हिन्दी कल, आज और कल" आयोजित किया गया। इस महत्त्वपूर्ण व्याख्यान के लिए प्रो. अनिल राय (हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय) विशिष्ट वक्ता के रूप में आमंत्रित थे। सर ने हिंदी की अन्तर्राष्ट्रीय दिशा, दशा और इसकी विविध उपलब्धियों को संपृक्त करते हुए उदाहरणों द्वारा अपने महत्त्वपूर्ण विचार साझा किए। **IQAC**, विद्या विस्तार स्कीम,

महिला विकास प्रकोष्ठ, राष्ट्रीय सेवा योजना, संप्रभु, अनुसंधान और परामर्श सेल एवं हिंदी साहित्य सभा के संयुक्त तत्त्वावधान में दिनांक **17** जनवरी को आभासी पटल के माध्यम से एक महत्त्वपूर्ण व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान के लिए विशिष्ट वक्ता के रूप में श्री अतुल कोठारी जी (राष्ट्रीय सचिव, शिक्षा, संस्कृति उत्थान न्यास) आमंत्रित थे। "राष्ट्रीय शिक्षा नीति" इस विषय को लेकर मुख्य वक्ता ने शिक्षा और उससे जुड़ी हुई नीतियों के अनेक पहलुओं पर अपने विचार प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों द्वारा समय-समय पर महत्त्वपूर्ण दिवस के अंतर्गत अनेक पोस्टर व वीडियो बनाकर हिंदी साहित्य सभा के सोशल मीडिया इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट किए गए। **2** मार्च, **2022** को "प्रज्ञान" (प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता) का आयोजन कॉलेज सभागार में किया गया। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतिभागियों से बहु-वैकल्पिक प्रश्नों को पूछा गया तथा अनेक स्लाइड दिखाकर उनसे विविध साहित्यकारों के चित्र, प्रसिद्ध कथन एवं भारत के दर्शनीय स्थलों को 'बूझो तो जानें' शीर्षक के माध्यम से उनके बौद्धिक कौशल को परखा गया। **30** अप्रैल, **2022** को हिन्दी विशेष के **2019-2022** बैच के समस्त विद्यार्थियों को प्राचार्य प्रो. रवीन्द्र कुमार गुप्ता सर एवं विभागीय शिक्षकों द्वारा "आशीर्वाद समारोह" के अंतर्गत उनके उज्ज्वल भविष्य हेतु अपनी असीम शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद प्रदान किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में हिन्दी-विभाग के अत्यंत प्रिय शिक्षक एवं विद्वान् आदरणीय डॉ. अनिल कुमार सिंह जी के आकस्मिक निधन पर सभागार में उपस्थित सदस्यों ने मौन रहकर दिवंगत आत्मा के प्रति अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए और बाद में अपने अश्रुपूरित उद्गारों से उन्हें स्मरण किया। कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो. रवीन्द्र कुमार गुप्ता जी ने कॉलेज में प्रवेश पाए विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए अपने समाज व देश के प्रति उनके दायित्वों के लिए प्रेरित किया।

बी. ए. प्रोग्राम समिति

संयोजिका - प्रो. आशा रानी

छात्र प्रतिनिधि - प्रिंस

बी. ए. प्रोग्राम की 'फीनिक्स' सोसाइटी ने **27** अक्टूबर, **2022** को कोरोना के प्रोटोकाल को मानते हुए चुनिन्दा विद्यार्थियों के साथ नये पदाधिकारियों के लिए "बैज समारोह" और पूर्व पदाधिकारियों के लिए "आभार समारोह" का आयोजन किया। समिति ने **30** जनवरी को करियर गाइडेंस कमेटी के साथ मिलकर **'An Interactive Session for All Students'** आयोजित किया, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में कॉलेज के वाणिज्य विभाग से डॉ. जय शंकर शर्मा जी ने विद्यार्थियों का आगे बढ़ने के लिए मार्गदर्शन किया। फीनिक्स समिति ने **11** दिसम्बर, **2021** को **WUS** सेल के साथ मिलकर माननीय **CDS GEN** बिपिन सिंह रावत, उनकी पत्नी व उनके साथ हादसे में मरने वाले वीर जवानों की दिवंगत आत्माओं को ऑनलाइन माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित की। समिति ने **4** मई, **2022** को तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए "शुभकामनाएं" कार्यक्रम का आयोजन किया तथा नये पदाधिकारियों को आने वाले समय में दायित्व निभाने के लिए बिल्ले पहनाये गए। इस कार्यक्रम में कई तरह की प्रतियोगिताओं के साथ-साथ गीत, संगीत और नृत्य का पुट भी सम्मिलित किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य जी के साथ-साथ समिति के सभी सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने प्रस्तुतियों का भरपूर आनंद लिया।

सांस्कृतिक परिषद्

संयोजिका - श्रीमति उदिता अग्रवाल

छात्र प्रतिनिधि - सलोनी तिवारी

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय (सांध्य) की सांस्कृतिक परिषद् ने वर्षभर अनेक कार्यक्रमों का अत्यंत उल्लास और जोश से सफलतापूर्वक आयोजन किया। 'आजादी का अमृत महोत्सव' के अंतर्गत होने वाले कार्यक्रमों के शुभारम्भ में सांस्कृतिक समिति ने **NSS**, नेपथ्य, संकल्प, **NCC** और कॉलेज की खेल समिति के सहयोग से **14** अगस्त, **2021** को एक ऑनलाइन सांस्कृतिक कार्यक्रम "प्रबोधन" का आयोजन किया। इस अवसर पर (सेवानिवृत्त) लेफ्टिनेंट जनरल वी. के. चतुर्वेदी को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। उनकी गरिमामयी उपस्थिति एवं ओजस्वी उद्बोधन ने विद्यार्थियों के लिये अमृत का कार्य किया। प्राचार्य प्रो. आर. के. गुप्ता जी ने विद्यार्थियों से राष्ट्र के प्रति गर्व, भक्ति व प्रेम की प्रतिज्ञा का आवाहन किया। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने गीतों, भाषणों और नाटकों के माध्यम से देशभक्ति और राष्ट्र के गौरव की भावना का प्रदर्शन किया। महान स्वतंत्रता सेनानी लाला लाजपत राय जी के जीवन पर एक लघु नाटिका कॉलेज की थिएटर टीम 'नेपथ्य' के छात्रों द्वारा प्रस्तुत की गई। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान राष्ट्र के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले, अज्ञात या अनसुने रह गए वीरों के अमर बलिदानों को याद करने के लिए "अनसंग हीरोज" पर एक प्रस्तुति दी गई। संगीत परिषद् के विद्यार्थियों द्वारा पूर्ण राष्ट्रगीत "वन्दे मातरम" की सुरीली प्रस्तुति ने सबको अभिभूत कर दिया। **23** नवंबर, **2021** को सांस्कृतिक समिति की

आर्ट और क्राफ्ट सोसाइटी 'इन्द्रधनुष' ने कॉलेज के 'सांस्कृतिक एवं नैतिकता प्रकोष्ठ' के साथ मिलकर "भारतीय संस्कृति एवं लोक चित्रकलाएं" विषय पर एक मिश्रित कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में अतिथि वक्ता के रूप में डॉ. वेद प्रकाश भारद्वाज जी को आमंत्रित किया गया। जो एक बेहतरीन कलाकार, लेखक व एक क्यूरेटर हैं। डॉ. भारद्वाज ने मधुबनी कला, गोंडकला, वर्लीकला आदि वभिन्न क्षेत्रों की लोक प्रचलित चित्रकलाओं के विषय में महत्त्वपूर्ण जानकारी दी। प्रतिवर्ष की भांति पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज (सांध्य) की सांस्कृतिक समिति ने प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए वर्चुअल मोड के माध्यम से **11**जनवरी से **16** जनवरी, **2022** तक **'टैलेंट हंट'** (प्रतिभा खोज) कार्यक्रम का आयोजन किया। समिति इस आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने और उजागर करने के साथ-साथ नवागन्तुकों में आत्मविश्वास पैदा करने की कोशिश करती है। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. आर. के. गुप्ता जी ने समापन समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित किया। इस **5** दिवसीय आयोजन में गायन, वाद्ययंत्र, भारतीय और पश्चिमी नृत्य, वाद-विवाद, कविता, निबंध-लेखन, कहानी कहने की कला, पोस्टर बनाना और रंगोली आदि **10** प्रतियोगिताएं शामिल थी, जिनमें लगभग **200** नवांगतुक विद्यार्थियों ने भाग लिया और अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए मिले इस अवसर में अत्यधिक हर्ष और उत्साह का प्रदर्शन किया। सांस्कृतिक समिति ने कॉलेज के गांधी स्टडी सर्किल, आईक्यूएसी, विद्या विस्तार योजना और आज़ादी का अमृत महोत्सव के सहयोग से महात्मा गांधी और उन सभी स्वतंत्रता सेनानियों को, जिन्होंने देश को अंग्रेजी शासन से मुक्त कराने के लिए संघर्ष किया और अपने जीवन का बलिदान दिया, श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए **30** जनवरी, **2022** को शहीद दिवस का आयोजन किया। प्राचार्य प्रो. आर. के. गुप्ता, शिक्षण एवं गैर शिक्षण स्टाफ के साथ-साथ विद्यार्थियों ने महात्मा गांधी जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का आरम्भ गायत्री मंत्र और गांधी स्टडी सर्किल की संयोजिका सुश्री संगीता शर्मा के स्वागत उद्भोधन से हुआ, जिन्होंने महात्मा गांधी के कार्यों और ऐतिहासिक घटनाओं के बारे में बताया। कॉलेज प्राचार्य प्रो. आर. के. गुप्ता जी ने अपने ज्ञान के शब्दों से छात्रों का मन मोह लिया। कॉलेज की **NSS** इकाई ने अपनी वीडियो प्रस्तुति और संगीत सोसाइटी 'षड्ज' ने मधुर भजनों व देशभक्ति गीतों के माध्यम से गांधीजी को श्रद्धांजलि दी। कॉलेज की सांस्कृतिक समिति ने **15 -16** अप्रैल, **2022** को अपना वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव **'फलक'** का आयोजन किया। उत्सव का विषय **"**आज़ादी का अमृत महोत्सव, भारत स्वर्णिम इतिहास से स्वर्णिम भविष्य की ओर**"** रखा गया था। कोविड की स्थिति को ध्यान में रखते हुए, यह वार्षिक उत्सव भी वर्चुअल मोड में आयोजित किया गया, जिसमें लगभग **20** प्रतियोगिताओं में **600** से अधिक प्रविष्टियों के साथ प्रतिभागियों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। दो दिवसीय **'**फलक**'** समारोह ने दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों के साथ-साथ दिल्ली के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और उसके आसपास स्थित अन्य विश्वविद्यालयों के छात्रों को एकल और समूह नृत्य, गायन, वाद्य संगीत, वाद-विवाद, रचनात्मक बोलना, कविता, फोटोग्राफी, पोस्टर बनाना, रंगोली, मेहंदी व अन्य कई गतिविधियों में अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक मंच प्रदान किया गया। भारतीय एवं पाश्चात्य एकल तथा समूह गायन प्रतियोगिता में अनेक टीमों ने भारतीय संगीत शैली और प्रख्यात रागों को प्रस्तुत किया। सचमुच, राग आधारित भारतीय गीत-संगीत की अद्भुत विरासत विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति से जुड़े रहने का दृढ़ संकल्प प्रदान करती है। विद्यार्थियों ने लोक नृत्य द्वारा भारतीय संस्कृति को विविध रूपों में प्रस्तुत करके समस्त दर्शकों का मन मोह लिया।

यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि प्रसिद्ध भारतीय गायक, संगीतकार, अभिनेता और भजन सम्राट पद्मश्री पुरस्कार विजेता श्री अनूप जलोटा जी ने उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में समारोह की शोभा बढ़ायी। उन्होंने अपने वक्तव्य की शुरुआत कला और संगीत की महत्ता और विशेष रूप से हमारे जीवन में आध्यात्मिक संगीत के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए की। उन्होंने अपने जीवन की कुछ घटनाओं का हवाला देते हुए आध्यात्मिकता के महत्त्व को बताया और हम जो करते हैं ,उसमें पूर्ण रूप से विश्वास करना कितना ज़रूरी है इस पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को उस क्षेत्र के लिए प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित किया जो वे करना पसंद करते हैं। अनूप जलोटा जी ने विद्यार्थियों को राष्ट्र की संस्कृति और मूल्यों के बारे में जानने और इसके महत्त्व को समझने के लिए प्रेरित किया, क्योंकि यही उन्हें अपने जीवन में आगे ले जा सकता है। उन्होंने उत्सव की थीम के लिए कॉलेज की प्रशंसा की और हमारे कॉलेज द्वारा प्रतिस्पर्धात्मक भावना को प्रोत्साहित करने के तरीके की भी सराहना की और साथ-साथ इस बात पर जोर दिया कि प्रतियोगिता जीतने से ज्यादा महत्त्वपूर्ण है भाग लेना। अपने अत्यंत विद्वतापूर्ण संबोधन के बाद हमारे प्राचार्य प्रो. आर. के. गुप्ता जी के अनुरोध पर उन्होंने सबसे लोकप्रिय भजन 'मीरा हो गयी मगन' को सस्वर गाकर सुनाया और श्रोताओं को अभिभूत कर दिया। इस दो दिवसीय सांस्कृतिक उत्सव **'फलक - 2022'** के सभी कार्यक्रमों का सीधा प्रसारण यूट्यूब पर किया गया, जिसे बड़ी संख्या में देखा व सराहा गया। शिक्षकों व विद्यार्थियों की सीमित संख्या में कॉलेज ऑडिटोरियम में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ दो-दिवसीय रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का समापन हुआ। डॉ. रुक्मिणी जैन जी इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित की गयी और प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र व पुरस्कार वितरित किये गए। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम की संयोजिका श्रीमती उदिता अग्रवाल ने औपचारिक धन्यवाद देते हुए 'फलक **- 2022'** की सफलता का श्रेय प्राचार्य प्रो. रवीन्द्र कुमार गुप्ता जी के कुशल नेतृत्व और अतुल्यनीय योगदान को दिया। साथ ही उन्होंने अध्यापकों के अकथनीय योगदान तथा समस्त कर्मचारियों के अत्यधिक सहयोग के लिए अपना आभार व्यक्त किया। कॉलेज के छात्रों के अथक परिश्रम की चर्चा करते हुए उन्होंने विद्यार्थियों को सराहा तथा प्रोत्साहित किया। अंत में मुख्य अतिथि, कॉलेज प्राचार्य, प्राध्यापकों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं समस्त कर्मचारियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

इसके अतिरिक्त, सांस्कृतिक समिति के विद्यार्थियों ने वर्षभर अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिताओं में भाग लिया और पुरस्कार जीतकर कॉलेज का नाम रौशन किया। विभिन्न कॉलेजों से आये विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ रंगोली, रचनात्मक लेखन, वाद-विवाद, पोस्टर मेकिंग, एकल एवं सामूहिक नृत्य (लोक एवं पाश्चात्य) और प्रश्नोत्तरी सहित अन्य सभी कार्यक्रमों में पूर्ण उत्साह के साथ हिस्सा लिया। चयनित प्रतियोगियों को प्रमाण पत्र एवं नकद पुरस्कार प्रदान किए गए।

समिति ने **11** फरवरी, **2022** को एक ऑनलाइन कार्यक्रम भी आयोजित किया, जिसमें संस्कृति मंत्रालय के प्रतिनिधियों ने "आजादी का अमृत महोत्सव" की पहल के तहत सरकार द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के संबंध में प्रस्तुतियां दी। रिसोर्स पर्सन ने छात्रों को लोरी की रचना, देशभक्ति गीत और रंगोली बनाने जैसी प्रतियोगिताओं के बारे में जानकारी दी और उनके प्रश्नों का समाधान किया।

रिसर्च एंड कंसल्टेंसी सेल

संयोजिका **-** डॉ. रुचिरा पाठक

रिसर्च एंड कंसल्टेंसी सेल ने शैक्षणिक वर्ष **2021-22** के दौरान अनेक कार्यक्रम आयोजित किए। सेल ने **IQAC, WDC, NSS** और विद्या विस्तार योजना सेल के सहयोग से 'सिस्को वीबेक्स प्लेटफॉर्म' पर **17** जनवरी, **2022** को 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति **(NEP) 2020'** पर एक विशेष वार्ता का आयोजन किया। प्रख्यात शिक्षाविद् श्री अतुल कोठारी जी, जो शिक्षा, संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के राष्ट्रीय सचिव हैं, वार्ता के प्रमुख वक्ता थे। उन्होंने श्रोताओं को **NEP** के प्रभावी कदमों से अवगत कराया और समाज के लाभ के लिए इस नीति को सही भावना से अपनाने के लिए रोड मैप तैयार करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने प्रतिभागियों के साथ नीति को अपनाने के लिए उठाए जाने वाले तत्काल कदमों, चुनौतियों और रणनीति के बारे में भी बात की। सेल ने **28** अप्रैल, **2022** को कॉमर्स एसोसिएशन के वार्षिक उत्सव **'**कॉमांट्रा **2022'** में कॉमर्स एसोसिएशन के सहयोग से शोध-पत्र प्रस्तुति कार्यक्रम 'अन्वेषण' का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों ने भाग लिया। छात्रों ने उत्साहपूर्वक नई शिक्षा नीति, रैपिडो बिजनेस मॉडल एवं यूनिकॉर्न स्टार्टअप अपग्रेड विषयों पर अपने पेपर प्रस्तुत किए।

WUS Cell

नोडल ऑफिसर
डॉ. बीना मीना

छात्र प्रतिनिधि **-** प्रियांशु भारद्वाज

WUS (World University Service) एक अंतर्राष्ट्रीय गैर सरकारी संगठन है जिसका मुख्य उद्देश्य शिक्षा, मानव अधिकार, विकास, सामाजिक न्याय, जैसे क्षेत्रों में अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर शैक्षिक जगत एवं विद्यार्थियों की भागीदारी को बढ़ावा देना है। इसी क्रम में **WUS Cell** पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज (सांध्य) के द्वारा विभिन्न समसामयिक मुद्दों पर जन-जागरूकता अभियान व कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जो इस प्रकार है **-**

- **29** अक्टूबर, **2021** को **WUS Cell** द्वारा नेहरू नगर के स्लम एरिया में 'स्वास्थ्य एवं स्वच्छता' पर एक जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान में **WUS Cell** की नोडल ऑफिसर डॉ. बीना मीना और लगभग **25** विद्यार्थी शामिल थे। सेल के सदस्यों ने उपस्थित बच्चों और उनके माता-पिता से पोषण और साफ-सफाई के बारे में चर्चा की एवं उसका महत्त्व बताया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने अपनी समस्याओं से रू-ब-रू करवाया तथा सेल के सदस्यों ने उन समस्याओं से निपटने के तरीकों की जानकारी दी।
- **26** नवंबर, **2021** को **WUS Cell** द्वारा कॉलेज के नजदीकी स्लम एरिया में 'शिक्षा का स्तर एवं जागरूकता' को लेकर एक सर्वे किया गया। इस अभियान के दौरान सेल के सदस्यों ने स्लोगन एवं बैनरों के माध्यम से लोगों को शिक्षा के महत्त्व के बारे में जानकारी दी।
- **8** अप्रैल, **2022** को **WUS Cell** द्वारा नेहरू नगर के स्लम एरिया में 'नशा-मुक्ति' अभियान चलाया गया। इस अभियान में वहां उपस्थित युवाओं एवं बच्चों को नशा से होने वाली घातक बीमारियों और उसके दुष्परिणामों के बारे में समझाया। इसी क्रम में सेल के सदस्यों के द्वारा वहां उपस्थित सभी लोगों को सामाजिक जिम्मेदारी की शपथ भी दिलाई गई। वहां उपस्थित युवाओं में से **5** युवाओं की एक टीम बनाई गई। उनमें से एक कोर्डिनेटर एवं एक को-कोर्डिनेटर बनाये गये, जो सेल के सदस्यों को समय-समय पर सूचना प्रदान करेंगे। 'राष्ट्रीय बालिका दिवस' के अवसर पर **WUS,**

Eartha, WDC, IQAC, Vidya Vistaar Scheme के द्वारा संयुक्त रुप से **24** जनवरी, **2022** को एक वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार का विषय था 'स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं की भूमिका'। वेबिनार के मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. निशा राणा **(DDUC, DU)**, जो मेधाविनी दिल्ली प्रांत की संयोजिका है और वक्ता के रूप में शिवांगी खरवाल, **DUSU** की संयुक्त सचिव, को आमंत्रित किया गया। प्रो. निशा राणा ने बहुत ही रोचक एवं ज्ञानवर्द्धक वक्तव्य दिया। उन्होंने जीजाबाई, रानी चिन्नम्मा, वीरांगना झलकारी बाई, बेगम जीनत महल, अजीजन बाई, देवी मैना कुमारी, रानी लक्ष्मीबाई और कई अन्य महान वीरांगनाओं के बारे में बताया। **WUS, Light, Water And Sanitation Committee, IQAC, Azaadi ka Amrit Mahotsav, Vidya Vistaar Scheme** के द्वारा संयुक्त रूप से **15** फरवरी, **2022** को **Google meet** के माध्यम से 'स्लोगन लेखन प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय 'जल संरक्षण' रखा गया जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। **WUS, Career Guidance Committee, IQAC, Azaadi ka Amrit Mahotsav, Vidya Vistaar Scheme** के द्वारा संयुक्त रूप से **10** मार्च, **2022** को एक वेबिनार का आयोजन किया गया। जिसका विषय था**- 'प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता कैसे प्राप्त करें ?'** इस वेबिनार में मिस्टर अनीस मोहन, असिस्टेंट कमांडेंट को आमंत्रित किया गया। जिन्होंने बहुत ही स्पष्ट और प्रेरणात्मक वक्तव्य के द्वारा विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया और सभी विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का शमन किया।

करियर गाइडेंस समिति

प्रो. आशा रानी

करियर गाइडेंस कमेटी ने अपने अर्द्ध-वार्षिक केलेंडर के अनुसार निर्धारित कार्यक्रमों की शुरुआत करते हुए **30** अक्टूबर, **2021** को 'कॉमन इंटरेक्शन कार्यक्रम' का आयोजन किया जिसमें कॉलेज के वाणिज्य विभाग से डॉ. जय शंकर शर्मा व अन्य शिक्षकों ने विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त करने के लिए विद्यार्थियों को निर्देशन और परामर्श दिया। कॉलेज के सभी अनुशासनों से विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी शंकाओं का समाधान पाया। लगभग **3** घंटे का चला यह सत्र बहुत ही रोचक और ज्ञानवर्द्धक रहा। समिति ने नवम्बर माह में कई समितियों के साथ मिलकर 'डिजिटल मार्केटिंग' विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में मुंबई से ऑनलाइन माध्यम से डॉ. कल्पना कुमारन ने विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करते हुए मार्केटिंग स्किल्स की बहुत ही उपयोगी जानकारी दी। कमेटी ने **15** जनवरी, **2022** को **SIEC, Enactus, IQAC** तथा विद्या विस्तार के संयुक्त तत्त्वावधान में **'Skill Improvement & Upskilling During Global Crisis'** विषय पर वेबिनार का आयोजन किया, जिसमें प्रो. खुशबू वर्मा (मुंबई) मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित की गयी। अपने वक्तव्य में उन्होंने सॉफ्ट स्किल्स और व्यावहारिक स्किल्स के बारे में बहुत ही उम्दा जानकारी दी। करियर गाइडेंस कमेटी व अर्थशास्त्र की कौटिल्य परिषद् ने **16** फरवरी, **2022** को **T.I.M.E.** संस्थान के सहयोग से **"Career Options in Economics after Graduation"** विषय पर वेबिनार का आयोजन किया, जिसमें श्री नील पनिकर ने अपना महत्त्वपूर्ण वक्तव्य दिया। ग्रेजुएशन के बाद विद्यार्थियों का सबसे ज्यादा रुझान सिविल सर्विसेज की ओर रहता है। उनकी इच्छाओं को मद्देनज़र रखते हुए समिति ने अनेक समितियों को सम्मिलित करते हुए कॉलेज स्तर पर तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए **10** मार्च, **2022** को **'How To Crack Competitive Exams ?' (Civil Services)** विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया। कार्यक्रम में मिस्टर अनीश मोहन ने विभिन्न प्रतियोगिताओं की तैयारी के लिए जरूरी बातें और दिशानिर्देश दिए। यह सत्र बहुत ही रोचक रहा और विद्यार्थियों ने मांग की, कि इस प्रकार के सत्र ज्यादा से ज्यादा आयोजित किये जाएँ।

कंप्यूटराइजेशन एवं ऑटोमेशन समिति

संयोजक - डॉ. अजय कुमार गर्ग

यह समिति सूचना एवं प्रौद्योगिकी से सम्बंधित समस्त आवश्यकताओं के सफल संचालन और संरक्षण की दिशा में महत्त्वपूर्ण कार्य करती है। यह एक सतत प्रक्रिया है जिसे कॉलेज में वार्षिक स्तर पर पूर्ण रूप से संपन्न किया जाता है। यह कॉलेज के लिए अत्यंत गौरव का विषय है कि समिति द्वारा ई-प्रमाण-पत्र के संबंध में एक नवीन पहल की गयी। ई-प्रमाण-पत्र वितरण की दिशा में उठाया गया यह प्रयास विगत व्यवस्था को परिवर्तित करके एक नए आयाम स्थापित करता है। इस ई-व्यवस्था से विद्यार्थी अपने सभी महत्त्वपूर्ण प्रमाण-पत्रों को अपनी आवश्यकता के अनुरूप विभिन्न प्रयोग में ला सकते हैं। यह प्रयास संसाधनों के सक्षम एवं समुचित उपयोग की दिशा में वह सराहनीय प्रयास है, जिससे समय की बचत के साथ-साथ स्वयं को वर्तमान के संसाधनों और ई-सुशासन की ओर कॉलेज द्वारा बढ़ाया गया सार्थक क़दम है। कॉलेज वेबसाइट को निरंतर अद्यतन किया जाता है। समिति मौजूदा वेबसाइट को लगातार नवीन, आकर्षक, अव्यवस्था मुक्त और उपयोगी बनाने की दिशा में भी कार्य करती है। इस अवधि के दौरान समिति द्वारा पुस्तकालय में

कोहा साफ्टवेयर संस्थापित किया गया तथा पुस्तकालय कर्मचारियों का नए साफ्टवेयर से संबंधित प्रशिक्षण पूरा किया गया। टीचिंग स्टाफ के लिए यूजर आईडी और पासवर्ड जेनरेट किया गया, जिसे ई-मेल के जरिए फॉरवर्ड किया गया। डेटा का बैकअप व्यवस्थापक, खातों और पुस्तकालय द्वारा लिया जाता है और संबंधित लोग इसकी पुष्टि करते हैं। प्रशासन विभाग द्वारा ऑनलाइन उपस्थिति और असाइनमेंट मार्क्स का बैकअप लिया जा रहा है। वेबसाइट का अद्यतन साप्ताहिक आधार पर किया जाता है। महाविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों, वार्ता, सेमिनार, वेबिनार आदि की समस्त सूचनाओं को समय पर वेबसाइट पर रिकार्ड करने एवं अद्यतन करने के लिए गूगल फॉर्म बनाया गया है। कॉलेज ने पाठ्येतर गतिविधियों के विजेताओं और प्रतिभागियों व वेबिनार आदि के प्रतिभागियों और वक्ताओं के लिए ई-प्रमाण पत्र जारी करना शुरू कर दिया है। यह कम्प्यूटरीकरण और स्वचालन समिति के प्रमुख कार्यों में से एक है। समिति गूगल ड्राइव के साथ-साथ बाहरी हार्ड ड्राइव में ई-प्रमाणपत्र से संबंधित सभी अभिलेखों का बैकअप लेती है। समिति द्वारा वर्ष भर अत्यंत सजगता से इसके नवीनीकरण और रखरखाव की ज़िम्मेदारी निभायी जाती है। समिति को सौंपी गई जिम्मेदारी में यह सुनिश्चित किया गया है कि कॉलेज में उपयोग किए गए विभिन्न सॉफ्टवेयर के माध्यम से उत्पन्न विभिन्न डेटा की आवधिक बैकअप की निगरानी रखी जाए। अत: यह सराहनीय प्रयास वर्ष भर अत्यंत ज़िम्मेदारी के साथ कुशलतापूर्वक नियंत्रित और संचालित किया जाता है।

पर्यावरण समिति

संयोजक - डॉ. मयंक पाण्डेय

कॉलेज में मनोनीत पर्यावरण परिषद् एक ऐसा सक्रिय समूह है, जो कॉलेज परिवार के सहयोग से प्रत्येक व्यक्ति, विशेषकर विद्यार्थियों में पर्यावरणीय जागरूकता एवं संवेदना पैदा करने के लिए निरंतर विविध प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन करता है। पर्यावरण कमेटी वर्ष भर बहुत ही अहम कार्य करती है।

• वृक्षारोपण : कॉलेज की पर्यावरण सोसाइटी 'सृष्टि' और 'भारतीयम' संस्था ने दिनांक **16** जुलाई, **2021** को कॉलेज की अपशिष्ट भूमि पर वृक्षारोपण किया। इस कार्यक्रम में कॉलेज प्राचार्य प्रो. आर. के. गुप्ता, डॉ. मयंक पाण्डेय, डॉ. पी. के. सेठी, श्री विजय पाल तथा सृष्टि सोसाइटी के छात्र उपस्थित थे। जामुन, बांस, अश्वगंधा, बेल आदि स्थानीय प्रजातियों के लगभग **60** पौधे लगाए गए थे। इस कार्यक्रम को प्रतिष्ठित इलेक्ट्रॉनिक मीडिया 'आज तक' द्वारा प्रसारित किया गया था।

• प्रोजेक्ट आशियाना के तहत सृष्टि के छात्रों ने विभिन्न सामग्रियों की सहायता से कृत्रिम घोंसले बनाए जो महाविद्यालय परिसर में विभिन्न स्थानों पर पक्षियों को आश्रय और भोजन उपलब्ध कराने के लिए स्थापित किए गए।

• 'ग्लोबल टाइगर डे' (विश्व बाघ दिवस) के अवसर पर, **29** जुलाई, **2021** को सुबह **11:00** बजे गूगल मीट के माध्यम से एक वेबिनार का आयोजन किया गया। श्री देब रंजन लाहा, प्रोजेक्ट को-ऑर्डिनेटर, **MSTrIPES**, **WII-NTCA** टाईगर सेल, देहरादून को 'भारत में मांसाहारी संरक्षण' पर एक भाषण देने के लिए आमंत्रित किया गया था। वेबिनार में लगभग **70** छात्रों ने भाग लिया।

• 'अंतर्राष्ट्रीय ओजोन परत संरक्षण दिवस **2021**' (विश्व ओजोन दिवस **2021**) के अवसर पर सृष्टि, **SAVI** और **IQAC** द्वारा संयुक्त रूप से **17** सितंबर, **2021** को एक वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार का विषय था 'जीवन के लिए ओजोन: ओजोन परत का संरक्षण'। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. कृपा राम, सहायक प्रोफेसर, पर्यावरण और सतत विकास संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी थे। वेबिनार के दौरान कुल **74** छात्र और संकाय सदस्य उपस्थित थे।

• वृक्षारोपण: श्री संदीप बाल्यान के प्रतिनिधित्व वाले हरेला फाउंडेशन के सहयोग से, सृष्टि ने **20** सितंबर, **2021** को कॉलेज परिसर में एक वृक्षारोपण अभियान चलाया, जिसमें विभिन्न प्रकार के स्थानीय प्रजाति के पौधे लगाए गए।

• तालाबों के संरक्षण व कायाकल्प पर सृष्टि समिति ने विद्या विस्तार योजना, आईक्यूएसी और आजादी का अमृत महोत्सव सेल के सहयोग से सिस्को वीबेक्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से **30** सितंबर, **2021** को एक वेबिनार का आयोजन किया। श्री रामवीर तंवर कार्यक्रम के दौरान वक्ता थे, जिन्होंने तालाब कायाकल्प के माध्यम से जल संरक्षण के बारे में बात की। वेबिनार के दौरान कुल **52** प्रतिभागी उपस्थित थे।

• पर्यावरण सोसाइटी 'सृष्टि' के तत्वावधान में **23** अक्टूबर, **2021** को 'बर्ड वाचिंग क्लब' की स्थापना की गई। इस कार्यक्रम में श्री सुमित कुमार, अंतर्राष्ट्रीय वन्यजीव फोटोग्राफर, बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी के आजीवन सदस्य एवं पक्षी विशेषज्ञ उपस्थित थे। श्री सुमित कुमार ने विद्यार्थियों को पक्षियों एवं उनके संरक्षण के बुनियादी पहलुओं पर एक

प्रस्तुति दी। उसके बाद, डॉ. मयंक पाण्डेय और श्री सुमित ने छात्रों के समूह को कॉलेज परिसर में पक्षियों को पहचानने हेतु मूल बातें सिखाई और पक्षियों की तेरह प्रजातियों की पहचान की। यह एक सतत प्रक्रिया है और भविष्य में क्लब द्वारा विभिन्न पक्षी आयोजनों का आयोजन किया जाएगा।

• हिम तेंदुआ संरक्षण पर विद्या विस्तार योजना के तहत सृष्टि, आईक्यूएसी और आजादी का अमृत महोत्सव सेल ने मिलकर **27** अक्टूबर, **2021** को सिस्को वीबेक्स प्लेटफार्म के माध्यम से 'हिम तेंदुए और भारत में इसके संरक्षण' पर एक वेबिनार का आयोजन किया। डॉ. यश वीर भटनागर, प्रख्यात वैज्ञानिक, **Nature Conservation Foundation (NCF)**, मैसूर, वेबिनार के आमंत्रित वक्ता थे। जिन्होंने हिम तेंदुए, उनके पारिस्थितिकी तंत्र, हिम तेंदुओं के लिए खतरों और उनकी संरक्षण रणनीतियों के बारे में बात की।

• विहंग क्लब के पंद्रह छात्रों ने **30** अक्टूबर, **2021** को 'ओखला पक्षी अभयारण्य' का दौरा किया और पक्षियों की प्रजातियों की विविधता का अध्ययन किया। यात्रा के दौरान डॉ. मयंक पाण्डेय, संयोजक, सृष्टि और श्री सुमित कुमार प्रख्यात वन्यजीव फोटोग्राफर, आजीवन सदस्य, **BNHS** और पक्षी विशेषज्ञ उपस्थित थे।

• उ. प्र. सरकार द्वारा दिनांक **03.11.2021** को ओखला पक्षी अभयारण्य में प्रातः **7:00** बजे से प्रातः **8:00** बजे तक गंगा नदी की स्वच्छता हेतु जन-जागरण के लिए 'रन फॉर गंगा' का आयोजन किया । कार्यक्रम में सृष्टि सोसाइटी के ग्यारह छात्रों ने भाग लिया।

• 'सृष्टि' समिति ने विद्या विस्तार योजना, **IQAC**, अपशिष्ट प्रबंधन समिति, **NSS** और आज़ादी का अमृत महोत्सव सेल के सहयोग से **8** नवंबर, **2021** को 'अपशिष्ट पृथक्करण, पुन: उपयोग और पुनर्चक्रण: सबसे बड़ी चुनौती और अपशिष्ट प्रबंधन के अवसर' पर सिस्को वीबेक्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से एक वेबिनार का आयोजन किया। डॉ. सुनील पाण्डेय, निदेशक, पर्यावरण और अपशिष्ट प्रबंधन, टेरी, दिल्ली वेबिनार के आमंत्रित वक्ता थे, जिन्होंने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के बारे में बात की, जो पूरे विश्व के लिए एक चुनौती बन गया है। वेबिनार में प्राचार्य प्रो. आर. के. गुप्ता, प्रो. संजय कुमार (संयोजक, **IQAC**), डॉ. मीता भटनागर (नोडल ऑफिसर, आजादी का अमृत महोत्सव), डॉ. कृष्णा शुक्ला (संयोजिका, विद्या विस्तार योजना), डॉ. पुनीत चांदला (संयोजक, **NSS**) और डॉ. मयंक पांडेय (संयोजक, सृष्टि एवं अपशिष्ट प्रबंधन समिति) उपस्थित थे। वेबिनार में बड़ी संख्या में छात्रों ने उपस्थिति दर्ज की।

• पक्षियों एवं उनके संरक्षण के लिए सृष्टि समिति ने विद्या विस्तार योजना के अंतर्गत, **IQAC** और आजादी का अमृत महोत्सव सेल के सहयोग से **13** नवंबर, **2021** को सिस्को वीबेक्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से 'पक्षियों का परिचय और उनके संरक्षण' पर एक वेबिनार का आयोजन किया। श्री अरविंद मिश्रा, प्रख्यात पक्षी विज्ञानी, जिन्हें 'बिहार के बर्डमैन' के रूप में भी जाना जाता है, वेबिनार के मुख्य वक्ता थे। श्री मिश्रा ने अपने वक्तव्य में पक्षियों के संरक्षण के बारे में महत्त्वपूर्ण जानकारी दी।

• 'विश्व नमभूमि दिवस' के अवसर पर सृष्टि ने **IQAC** और आजादी का अमृत महोत्सव सेल के सहयोग से विद्या विस्तार योजना के अंतर्गत दिनांक **2** फरवरी, **2022** को 'विश्व नमभूमि दिवस (वर्ल्ड वेटलैंड्स डे **2022**)' का आयोजन किया। **2** फरवरी, **2022** को सिस्को वीबेक्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से एक वेबिनार का आयोजन किया, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. समीर कुमार सिन्हा, संरक्षण प्रमुख, 'वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया' थे। जिन्होंने सारस क्रेन के संरक्षण में आर्द्रभूमि की भूमिका के बारे में बताया। वेबिनार में प्राचार्य प्रो. आर. के. गुप्ता, प्रो. संजय कुमार (संयोजक, **IQAC**), डॉ. मीता भटनागर (नोडल ऑफिसर, आजादी का अमृत महोत्सव), डॉ. कृष्णा शुक्ला (संयोजिका, विद्या विस्तार योजना) तथा **60** से अधिक विद्यार्थी उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम विश्व आर्द्रभूमि दिवस की आधिकारिक वेबसाइट पर पंजीकृत किया गया। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. आर. के. गुप्ता ने आधिकारिक तौर पर सृष्टि सोसाइटी के अंतर्गत 'विहंग क्लब' के गठन के बारे में भी घोषणा की। विहंग क्लब पर एक वीडियो क्लिप भी दिखाई गई और कॉलेज के यूट्यूब चैनल पर अपलोड की गई। 'विश्व नमभूमि दिवस **2022**' के अवसर पर, सृष्टि ने 'सृजन-बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट' एक अंतर-कॉलेज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया, जिसमें कुल चौबीस प्रविष्टियां प्राप्त हुईं, जिनमें से सर्वश्रेष्ठ तीन प्रविष्टियों को पहले, दूसरे और तीसरे स्थान के लिए विजेताओं के रूप में चुना गया। विजेताओं को नकद पुरस्कार और योग्यता प्रमाण पत्र दिए गए, जबकि सभी प्रतिभागियों और सृष्टि के वॉलंटियर्स को क्रमशः भागीदारी प्रमाण पत्र और प्रशंसा प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया।

• **Great Backyard Bird Count 2022:** सृष्टि के विहंग क्लब ने कॉलेज परिसर में **18** से **21** फरवरी, **2022** तक वैश्विक कार्यक्रम, ग्रेट बैकयार्ड बर्ड काउंट **2022** में भाग लिया और विभिन्न पक्षियों की प्रजातियों को चिह्नित किया। चिह्नित सूची को 'ई-बर्ड एप' पर अपलोड किया गया। इस गतिविधि के लिए कॉलेज को सर्टिफिकेट दिया भी गया है।

• यमुना बायोडाइवर्सिटी पार्क तथा दिल्ली विकास प्राधिकरण **(DDA)** द्वारा आयोजित "आजादी का अमृत महोत्सव - जागरूकता अभियान" में सृष्टि और विहंग की छात्र टीम को **26** फरवरी, **2022** को भाग लेने का अवसर मिला। छात्रों ने पार्क के पहले और दूसरे चरण में पक्षियों की प्रजातियों को चिह्नित किया और पर्यावरण संरक्षण के विविध पहलुओं को जाना। छात्रों ने पार्क के नेचर इंटरप्रिटेशन सेंटर **(NIC)** का भी दौरा किया। कॉलेज से चौबीस विद्यार्थियों ने इस कार्यक्रम में भागीदारी की। पार्क के वैज्ञानिक डॉ. फैयाज ए. खुदसर, डॉ. एकता खुराना तथा डॉ. ए. के. सिंह ने छात्रों को संबोधित किया और उनका मार्गदर्शन किया। प्रिंट मीडिया ने पूरे कार्यक्रम को कवरेज दी।

• विहंग क्लब के पंद्रह छात्रों ने **5** मार्च, **2022** को 'ओखला पक्षी अभयारण्य' का दौरा किया और पक्षियों की प्रजातियों की विविधता का अध्ययन किया। अभयारण्य में विचरण करने के दौरान श्री सुमित कुमार, प्रख्यात वन्यजीव फोटोग्राफर, आजीवन सदस्य, **BNHS** और पक्षी विशेषज्ञ के साथ समिति संयोजक उपस्थित थे।

• राष्ट्रीय स्वाभिमान आंदोलन और यमुना मिशन द्वारा संयुक्त रूप से **12** अप्रैल, **2022** को तालकटोरा इनडोर स्टेडियम (दिल्ली) में जनसामान्य को भारतीय नदियों की दयनीय स्थिति के बारे में जागरूक करने के लिए एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। प्रख्यात वैज्ञानिकों और कार्यकर्ताओं ने भारतीय नदियों के मुद्दों और चुनौतियों व उनके व्यावहारिक समाधानों के बारे में चर्चा की। संगोष्ठी में कॉलेज का प्रतिनिधित्व डॉ. मयंक पाण्डेय ने किया।

वित्तशाला (वित्त क्लब)

संयोजक - श्री रमेश कुमार

छात्र प्रतिनिधि - पारिजात

वित क्लब ने इस सत्र में विभिन्न प्रकार की शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन किया। सत्र के आरंभ में **16** अक्टूबर, **2021** को फिनशाला के नए सदस्यों के लिए एक ओरिएंटशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। **MBA** उम्मीदवारों के लिए रणनीति और मार्गदर्शन' विषय पर **9** नवंबर, **2021** को एक वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार में मुख्य वक्ता एम. एस. बी. विजन और करियर कोच के संस्थापक मेहर सिंधु बत्रा जी ने **MBA** प्रवेश परीक्षा, प्रवेश प्रक्रिया, रणनीति, भारतीय एवं विदेशी संस्थानों के बारे में विस्तार से चर्चा की। **22** जनवरी, **2022** को 'शेयर बाजार' पर वेबिनार का आयोजन किया गया। शाइन प्रोजेक्ट्स के संस्थापक, अध्यक्ष वेंकट श्री हर्ष जी ने शेयर बाजार में करियर के अवसरों पर व्याख्यान दिया तथा भारतीय शेयर बाजार में ट्रेडिंग प्रक्रिया पर भी चर्चा की। **"VITTA MANTHAN 22"** (वित्त मंथन **22**), वित्त मंथन, फिनशाला (फाइनेंस क्लब), वाणिज्य विभाग का एक वार्षिक इंटर कॉलेज कार्यक्रम है। फिनशाला (फाइनेंस क्लब) ने इस वर्ष ऑनलाइन मोड में "वित्त मंथन" के तीसरे संस्करण का आयोजन गूगल मीट पर **5** मार्च, **2022** को किया। इस वर्ष 'वित्त मंथन' के लिए पूरे भारत से **1600** से अधिक पंजीकरण प्राप्त हुए हैं। डॉ. मीनाक्षी यादव "वित्त मंथन **22"** की शिक्षक समन्वयक थी। छात्रों को अपनी छुपी हुई प्रतिभा का पता लगाने और अपनी रचनात्मकता दिखाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए कई प्रतियोगिताओं के साथ एक दिन के उत्सव का आयोजन किया गया। देश के सबसे कम उम्र के सी.ए., सी.एम.ए. और सी.एस. श्री आदित्य झावर 'वित्त मंथन **22**' के मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम में कॉलेज के प्राचार्य प्रो. आर. के. गुप्ता ने अपने भाषण में इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता को बहुत महत्त्व दिया तथा छात्रों को उनके सराहनीय प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया। फिनशाला के कोर सदस्यों और समन्वयकों के द्वारा ऑनलाइन माध्यम से निम्नलिखित चार प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

1. 'Startup Street' 2. 'Heal the Deal' 3. 'Money Bizz' 4. 'Chakravyuh'

इन प्रतियोगिताओ का उद्देश्य विद्यार्थियों के सीखने की क्षमता को बढ़ाना है। **Quiz competition** के द्वारा उनके ज्ञान के स्तर को जानना तथा कंपनियों के केस स्टडीज को हल करके व्यावहारिक दुनिया में ज्ञान और अवधारणाओं को लागू करने के लिए प्रतिभागियों की योग्यता का परीक्षण करना है। ये सब कॉलेज के प्राचार्य प्रो. रवीन्द्र कुमार गुप्ता, क्लब के संयोजक श्री रमेश कुमार, विभाग के प्रभारी और शिक्षकों के सहयोग व क्लब के मुख्य समन्वयक पारिजात, पदाधिकारियों और सक्रिय सदस्यों के परिश्रम का फल है।

ऋत्वा सोसाइटी

नोडल ऑफिसर - डॉ. डिम्पल गुप्ता

छात्र प्रतिनिधि - स्तुति द्विवेदी, सलोनी तिवारी

ऋत्वा सोसाइटी एक गैर-लाभकारी संगठन है, जिसका उद्देश्य समाज में मासिक धर्म को लेकर फैली भ्रांतियों एवं अज्ञानता को दूर करके जागरूकता फैलाना है। लड़कियां मासिक धर्म को लेकर हीन भावना का अनुभव न करें, और माहवारी के दौरान स्वच्छता एवं अपने स्वास्थ्य का भी विशेष रूप से ध्यान रखें, इसी उद्देश्य को लेकर ऋत्वा ने **7**

नवम्बर, **2021** को ऑनलाइन माध्यम द्वारा इंटर कॉलेज वाद-विवाद प्रतियोगिता **"चुप्पी तोड़ो"** का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिसका शीर्षक था **"Girls should feel free to talk about periods in front of a male member of a family"** इस वाद-विवाद प्रतियोगिता में विभिन्न महाविद्यालयों से अनेक छात्राओं के साथ-साथ छात्रों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया और युवा पीढ़ी को इस संवेदनात्मक विषय पर गहराई से सोचने के लिए प्रोत्साहित किया। अति प्रसन्नता का विषय यह रहा कि विजेताओं में प्रथम पुरस्कार भी आदर्श सिंह छात्र ने प्राप्त किया। ऋत्वा की कार्यप्रणाली और विषय को विस्तृत करने के उद्देश्य से **14** नवम्बर, **2021** को ऋत्वा का नाम बदलकर 'अर्था' **(Eartha)** कर दिया गया है और इसी श्रृंखला में 'अर्था' द्वारा 'राष्ट्रीय बालिका दिवस' के सुअवसर पर **24** जनवरी, **2022** को ऑनलाइन माध्यम द्वारा **"स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं की भूमिका"** विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें दीनदयाल उपाध्याय महाविद्यालय एवं मेधाविनी दिल्ली प्रान्त की संयोजिका प्रो. निशा राणा जी मुख्य वक्ता के रूप में एवं डूसू की संयुक्त सचिव शिवांगी खरवाल वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। प्रो. निशा राणा जी ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में रानी लक्ष्मीबाई, माता जीजाबाई, रानी चेनम्मा, रानी ईश्वरी देवी, रानी द्रोपदी बाई और बेगम हज़रत महल जैसी वीरांगनाओं की शहादत और बलिदान के बारे में बताया, जिनकी चर्चा इतिहास के पन्नों में बहुत कम हुई है। इस व्याख्यान में लगभग **130** छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इस प्रकार यह कार्यक्रम पूर्णतः सफल रहा।

फिल्म एप्रिसिएशन समिति

संयोजिका - डॉ. श्रुति रंजना मिश्रा

इस समिति का उद्देश्य कॉलेज के विद्यार्थियों में श्रेष्ठ फिल्मों के माध्यम से राष्ट्र प्रेम, कर्तव्यपरायणता, संवेदनशीलता, परोपकारिता की भावना विकसित करने के साथ-साथ उन्हें देश का एक अच्छा नागरिक बनाना है। फिल्मों द्वारा छात्र-छात्राओं में रचनात्मकता के गुण का विकास भी किया जा सकता है। फिल्म एप्रिसिएशन समिति की भूमिका विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए केवल मंच प्रदान करना ही नहीं है, बल्कि उनकी बौद्धिक क्षमता बढ़ाने के लिए एक स्रोत के रूप में भी काम करना है। यह समिति समसामयिक मुद्दों से संबन्धित फिल्मों और वृत्तचित्रों के माध्यम से छात्रों के बीच सिनेमा में रुचि को प्रोत्साहित करने की कोशिश करती है। समिति ने इसी क्रम में गत वर्ष दिसम्बर-जनवरी, **2021** में साक्षात्कार के माध्यम से फिल्म एप्रिसिएशन समिति में पहली बार पदाधिकारियों की नियुक्तियां की, जिसमें समन्वयक, सह समन्वयक आदि पद दिए गए हैं। समिति ने विद्यार्थियों को एनिमेशन फिल्मों के तकनीकी पक्ष की जानकारी देने के लिए "एनिमेशन की दुनिया से एक मुलाक़ात" विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान का आयोजन **11**अप्रैल, **2022** को किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. जगमोहन राय जी ने अपनी प्रस्तुति दी । **8-9** मई, **2022** को फिल्म एप्रिसिएशन समिति के द्वारा दिल्ली फ़िल्म सोसायटी (सम्बद्ध - भारतीय चित्र साधना) के संयुक्त तत्त्वावधान में दो दिवसीय "लघु फिल्म प्रदर्शनी समारोह" का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष, स्वाधीन भारत के **75** वर्ष, वोकल फ़ॉर लोकल, भारतीय संस्कृति और मूल्य, इनोवेशन (नवाचार), परिवार, पर्यावरण, ऊर्जा, शिक्षा एवं कौशल विकास आदि विषयों पर लघु फिल्में प्रदर्शित की गयी।

सांस्कृतिक और नैतिकता प्रकोष्ठ

संयोजिका - रेणुका धर बजाज

कॉलेज में सांस्कृतिक और नैतिकता प्रकोष्ठ के गठन का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों के जीवन में अपने समाज व राष्ट्र के लिए सांस्कृतिक एवं नैतिक मूल्यों के लिए दायित्व-बोध विकसित करना है। इस प्रकोष्ठ के द्वारा यह भी प्रयास किया जाता है कि विद्यार्थी अपने देश की संपन्न संस्कृति और परंपरा के प्रति सचेत रहें। इन्हीं उद्देश्यों को ध्यान में रखकर इस वर्ष भी सेल ने कई आयोजन किए, जो जानकारी से भरपूर, अपनी जड़ों से जुड़े और बहुत ही मनोरम थे, जो हमारे सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देते हैं। उदाहरण के लिए, 'अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस' के अवसर पर लोकगीत गायन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। श्री अनिल स्वदेशी, श्रीमति रेणुका धर बजाज और प्रो. संजय कुमार के साथ सह-संयोजक के रूप में डॉ. एंजेला गंगमेई ने यह सुनिश्चित किया कि कार्यक्रम सुचारू रूप से उत्साह के साथ आयोजित किया जाए। कॉलेज प्राचार्य प्रो. आर. के. गुप्ता जी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और कार्यक्रम को मूल्यवान बनाया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री रवीन्द्र शर्मा जी ने भी पंजाबी लोकगीतों के पुट को उत्साहपूर्वक जोड़ते हुए कार्यक्रम में रचनात्मक योगदान दिया। भारत को बहु-सांस्कृतिक पहचान के रूप में मनाये जाने का यह कार्यक्रम बड़े जोश से मनाया गया। कार्यक्रम में इस बात पर प्रकाश डाला गया कि

कैसे हमारे लिए यह कितना दुष्कर हो रहा है कि हम अपनी विशिष्टता को बरकरार रख पाएं, हम किस तरह अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचें, हमें अपनी जड़ों को पूरे दिल से स्वीकार करने की जरूरत है, और सभी अपनी देशज संस्कृति के लिए आत्मीयता और संवेदनशीलता दिखाएं। यह सिर्फ खुद को विश्व से अलग करने के बारे में नहीं है, यह स्थानीय और वैश्विक के बीच एक अच्छा संतुलन खोजने के बारे में है और अंतत: सही रूप में बराबरी के बीच लक्ष्य तक पहुँचने की बात है। सेल ने **25** फरवरी, **2022** को महर्षि दयानन्द सरस्वती जी के सम्मान में उनकी जयंती समारोह का आयोजन किया। इस आयोजन में हमारे संरक्षक संत व वेदों दोनों के जीवन से जुड़े बहुतायत अद्भुत तथ्य देखने को मिले। कॉलेज के नाम का महत्त्व (पन्नालाल गिरधरलाल दयानंद एंग्लो-वैदिक) बताते हुए, इनके कार्यों के सिद्धांत कितने बड़े हैं पर प्रकाश डाला गया। जो महर्षि दयानंद जी के सिद्धान्तों और शिक्षा से प्रेरित हैं। इस आयोजन को प्रो. संजय कुमार, डॉ. योगेश शर्मा द्वारा बहुत ही अच्छी तरह से प्रस्तुत किया गया। श्रीमती रेणुका धर बजाज, डॉ. मीता भटनागर संयोजक के रूप में थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. रवीन्द्र कुमार गुप्ता जी ने की। आयोजन का मुख्य आकर्षण केंद्र वह था, जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. कामदेव झा (डी.ए.वी. कॉलेज, पिहोवा, हरियाणा) ने वेदों और उनकी शिक्षा के बारे में कई आंखें खोलने वाले तथ्य पेश किए। उन्होंने वर्तमान वैश्विक संकट से कई उद्धरण लिए कि किस तरह झड़पों और संघर्षों का समाधान हम स्वामी दयानन्द जी द्वारा प्रचारित सिध्दांतों से ले सकते हैं व वेदों के अध्ययन पर जोर दिया। उन्होंने अद्भुत उदाहरण देते हुए बताया कि वेद हमें कैसे बेहतर की ओर ले जाते हैं। वेद हमें बताते हैं कि सिद्धांतों का पालन करते हुए हम महिला सशक्तिकरण और समानता की आदर्श स्थिति को पा सकते हैं। यह सब जानना निस्संदेह सभी श्रोताओं की लिए ज्ञानवर्धक और शिक्षाप्रद रहा। **14** मार्च, **2022** को "सांस्कृतिक और नैतिकता प्रकोष्ठ" ने एक परिचयात्मक टॉक का आयोजन किया, जिसमें 'भगवत गीता के माध्यम से मन के प्रबंधन' पर इस्कॉन के सहयोग से एडऑन कोर्स शुरू किया। यह अनुभव किसी मंत्रमुग्ध कर देने वाले से कम नहीं था, जिसमें ज्ञान और उत्साह का अनुभव रहा। यह कोर्स श्रीमति रेणुका धर बजाज, प्रो. मीना शर्मा, डॉ. कृष्णा शर्मा, डॉ. मीता भटनागर, प्रो. संजय कुमार और डॉ. योगेश शर्मा के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। एच. जी. उमापति दास और नितिन प्रभु, इस्कॉन से दो मुख्य वक्ता थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. आर. के. गुप्ता ने की। दोनों वक्ताओं ने इस बात के लिए प्रेरित किया कि जीवन के सभी क्षेत्रों में अपने विशाल ज्ञान के साथ हर कोई सफलता प्राप्त कर सकता है। एच. जी. उमापति ने कहा संतुलित जीवन के लिए बहुत सारे रहस्यों को उसकी विशालता में खोजा जाए। श्री नितिन प्रभु ने न केवल एक आध्यात्मिक मार्गदर्शक के रूप में प्रेरित किया, बल्कि अपने एकेडमिक करियर से सभी को चकित कर दिया। इस्कॉन के साथ जुड़कर वे अपने बहुमुखी व्यक्तित्व से सभी को विस्मित करते हैं। उनका बहुमुखी व्यक्तित्व, विज्ञान और आध्यात्म का अद्भुत संयोजन है। कॉलेज का यह "सांस्कृतिक और नैतिकता प्रकोष्ठ" लगातार प्रयास कर रहा है कि वह विशेष रूप से छात्रों की व्यक्तिगत बेहतरी व समाज के लिए लगातार काम करता रहे।

<u>महिला विकास प्रकोष्ठ **WDC**</u>

नोडल ऑफिसर - प्रो. मीना शर्मा

"एक पहल"

'महिला विकास प्रकोष्ठ' स्त्रियों के जीवन और जागरूकता से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों का संचालन कर महिलाओं के सशक्तिकरण एवं उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्य करता है। इस वर्ष कॉलेज के 'महिला विकास प्रकोष्ठ' तथा 'ऋत्वा' समिति ने चैप्टर के सहयोग से महिला अधिकारों का उत्सव मनाने के लिए **26** अगस्त, **2021** को **"Women Safety and Security"** विषय पर सिस्को वेबेक्स प्लेटफॉर्म पर एक वेबिनार का आयोजन किया। वेबिनार में विश्वविद्यालय एवं विभिन्न कॉलेजों के **100** से अधिक शिक्षाविदों ने भाग लिया। इस अवसर पर माननीय न्यायमूर्ति सुश्री आशा मेनन (न्यायाधीश, दिल्ली उच्च न्यायालय) को अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। प्रो. मीना शर्मा, (संयोजिका, **WDC**) ने अतिथियों का स्वागत किया और श्रोताओं से मुख्य अतिथि का परिचय कराया। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. आर. के. गुप्ता ने अपने सम्बोधन में हमारे समाज में महिलाओं की महत्ता से अवगत कराया। न्यायमूर्ति आशा मेनन ने अपने सम्बोधन में कहा कि 'समाज में महिलाओं को लेकर ग़लत धारणा बनी हुई है, हमें इसे संशोधित करके समाज में लड़का और लड़की एक समान हैं इस समझ को विकसित करना चाहिए।' राष्ट्रीय महिला आयोग, भारत सरकार ने **31** जनवरी, **2022** को अपना **30**वां स्थापना दिवस मनाया, इस अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने राष्ट्र को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में **WDC** के लगभग **150** छात्रों ने भाग लिया। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दिल्ली पुलिस के सहयोग से पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज (सांध्य) के महिला विकास प्रकोष्ठ ने **8** मार्च, **2022** को सहायक पुलिस आयुक्त और पुलिस उपायुक्त, दिल्ली के साथ महिला सुरक्षा पर छात्रों का एक संवाद सत्र आयोजित किया। इस कार्यक्रम में कॉलेज की छात्राओं और महिला संकाय सदस्यों ने भाग लिया। इसके अलावा यह प्रकोष्ठ सोशल

मीडिया पर भी काफी सक्रिय है। इसके सदस्यों ने समाज में संवेदनशीलता पैदा करने के लिए विभिन्न माध्यमों से पहल की है। ये पहल इस प्रकार है :

• ट्रेलब्लेज़र गुरुवार:– इस पहल के तहत, छात्रों ने उन महिलाओं की उपलब्धियों के बारे में पोस्ट किया, जिन्होंने अपने क्षेत्र में विशेष उपलब्धि अर्जित की और दूसरों के अनुसरण का मार्ग प्रशस्त किया।
• मानसिक जागरूकता माह:– विद्यार्थियों के द्वारा 'मानसिक स्वास्थ्य की उपयोगिता' विषय पर सोशल मीडिया पर जागरूकता फैलाने का प्रयास किया गया तथा विशेषज्ञों के माध्यम से इसके लक्षणों को चिन्हित करने का प्रयास किया।
• मासिक धर्म स्वच्छता पर जागरूकता:– महिला विकास प्रकोष्ठ के विद्यार्थियों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से मासिक धर्म स्वच्छता पर महत्त्वपूर्ण जानकारी साझा की।

नाट्य समिति 'नेपथ्य'

संयोजिका - डॉ. कृष्णा शुक्ला

छात्र प्रतिनिधि - ऋषि एवं नवनीत मासा

16 फरवरी, **2022** को नाट्य समिति ने प्रथम वर्ष के छात्रों की प्रतिभा देखने व चयन हेतु 'रंगकर्मी चयन प्रतियोगिता **2022**' का अंतरजाल के माध्यम से आयोजन किया। छात्रों ने आज़ादी के अमृत महोत्सव के विषय को ध्यान में रखते हुए अपनी प्रतियोगिता की प्रविष्टियां विभिन्न स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन से प्रेरित होकर तैयार की। रोशन सिंह, बेग़म हज़रत महल, ख़ुदी राम बोस, सुभाष चंद्र बोस, बिरसा मुंडा, राम प्रसाद बिस्मिल, केसरी चंद, अजानी बाई, बटुकेश्वर दत्त, गरिमेला सत्यनारायण, भगत सिंह, नानी बाई, प्रफुल्ल चंद्र चाकी, मंगल पांडे, रानी लक्ष्मीबाई, अरूणा आसफ़ अली, गुलाब कौर गडरी, चंद्रशेखर आज़ाद, सूर्य सेन के वीडियो प्रस्तुत करके सब की यादें जीवित करी। 'स्वदेशी अपनाओ, स्वाभिमान बचाओ' नामक अपना वार्षिक नुक्कड़ नाटक तैयार किया, जिसकी कई प्रस्तुतियां छात्रों ने विभिन्न विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में करके सुर्खियां व पुरस्कार अर्जित किए। जिनमें खास गलगोटिया विश्वविद्यालय, **IIT** गांधीनगर (गुजरात), पंजाब विश्वविद्यालय, **IIT** दिल्ली फोर स्कूल ऑफ़ मैनेजमेंट, महाराजा अग्रसेन इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट, महाराजा अग्रसेन इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी है। गलगोटिया विश्वविद्यालय व दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स में तृतीय पुरस्कार मिला। चेतन व पूजा को बेस्ट परफॉर्मर का पुरस्कार मिला। आचार्य नरेंद्र देव कॉलेज में बेस्ट डायरेक्शन का पुरस्कार मिला।

विद्या विस्तार योजना

संयोजिका - डॉ. कृष्णा शुक्ला

छात्र प्रतिनिधि - हर्ष मिश्रा

दिल्ली विश्वविद्यालय की इस अत्यंत महत्त्वपूर्ण योजना में हमारा महाविद्यालय अहम भागीदार है। हमारे महाविद्यालय ने दो अति विकट व दुर्लभ स्थानों के महाविद्यालयों के साथ एम.ओ.यू. किया, जो कि हमारी इस योजना के अधीन है।

1. पाकिस्तान के निकट राजस्थान की सीमा से जुड़े शिव नामक स्थान के राजकीय कॉलेज को अपना साथी बनाया। यह जलवायु व भौगोलिक दृष्टि से अति पिछड़ा इलाका है, जहां लोगों के पास मोबाइल फोन व इंटरनेट की सुविधा पर्याप्त नहीं है। महाविद्यालय में पर्याप्त प्राध्यापक भी नहीं है। भौगोलिक स्थिति भी अति विकट है। भयंकर गर्मी-सर्दी के अलावा वर्षा व पेयजल की अत्यंत कमी है। छात्र किसी भी प्रतियोगिता में भाग लेने के बजाय अपनी माता-पिता की मदद पेयजल जुटाने में करते रहते हैं।

2. दूसरा भागीदार एस.एस.एन.जे. कॉलेज, वर्धा (महाराष्ट्र) है। जिस की स्थिति बाड़मेर महाविद्यालय की अपेक्षा थोड़ी ठीक है। हमारे महाविद्यालय की ओर से सभी ऑनलाइन वेबिनारों में दोनों साथी महाविद्यालयों को आमंत्रित किया गया है तथा उनकी सहभागिता भी रही है।

विद्या विस्तार योजना के तहत ऑनलाइन पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें आज़ादी के अमृत महोत्सव विषय पर दोनों महाविद्यालयों के छात्रों ने पोस्टर प्रतियोगिता में अपनी उपस्तिथि दर्ज की है। कॉलेज के वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव 'फलक' में भी इनकी प्रविष्ठियां दर्ज हुई। दोनों महाविद्यालयों ने कैंटीन समिति द्वारा आयोजित निबंध लेखन प्रतियोगिता को आयोजित करवाया। महाविद्यालय ने विभिन्न वेबीनारों के माध्यम से इन महाविद्यालयों के छात्रों का विभिन्न विषयों पर ज्ञानार्जन करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। आगे भी इन महाविद्यालयों को हमारा पूरा सहयोग मिलता रहेगा।

अपशिष्ट प्रबंधन समिति

संयोजक - डॉ. मयंक पांडेय

अपशिष्ट प्रबंधन समिति कॉलेज परिसर में उत्पन्न अपशिष्ट कागज़, प्लास्टिक, खाद्य और जैविक तथा ई-कचरा का प्रबंधन एवं निस्तारण करती है। कॉलेज ने प्रभावी अपशिष्ट कागज़ के प्रबंधन के लिए 'जागृति' अपशिष्ट पेपर रीसाइक्लिंग से करार किया है।

• पेपर अपशिष्ट प्रबंधन: पेपर रीसाइक्लिंग में अनुभवी 'जागृति' संस्था के कर्मचारियों ने कॉलेज के अपशिष्ट कागज़ के पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) के लिए **27** सितंबर, **2021** को कॉलेज का दौरा किया और **1896.04** किलोग्राम अपशिष्ट कागज़ एकत्रित किया। एकत्रित अपशिष्ट कागज़ के बदले में 'जागृति' ने कॉलेज को नए ए**4** पेपर (**70** जीएसएम) के **30** रिम और रीसाइक्लिंग का प्रमाण पत्र प्रदान किया।

• बायोडिग्रेडेबल अपशिष्ट प्रबंधन: रसोई का कचरा, बचा हुआ भोजन, बागवानी अपशिष्ट आदि को इन-हाउस कंपोस्ट पिट का उपयोग करके खाद में परिवर्तित किया जाता है। वर्तमान में **350** से **400** किग्रा (लगभग) कम्पोस्ट बनाई गई है, जिसका उपयोग खाद के रूप में बागवानी के लिए किया जाएगा। इसके साथ ही, **ENACTUS** (संयोजिका - डॉ. सोनिया ढींगरा) खाद के पैकेट (भार-**5** किलो) बनाकर शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों, छात्रों और बाहरी लोगों को अत्याधिक रियायती दर (**30** रुपये प्रति किलो) पर बेच रही है।

• स्क्रैप निस्तारण: **4** मार्च, **2022** को दोपहर **2:30** बजे स्क्रैप निस्तारण किया गया, जहां स्थानीय स्क्रैप डीलर को विभिन्न स्क्रैप बेचे गए। स्क्रैप डीलर द्वारा कुल **14,350.00** रुपये (चौदह हजार तीन सौ पचास मात्र) कॉलेज को दिया गया।

• विद्या विस्तार योजना के तहत, सृष्टि ने **IQAC**, अपशिष्ट प्रबंधन समिति, **NSS** और आजादी का अमृत महोत्सव सेल के सहयोग से **8** नवंबर, **2021** को 'अपशिष्ट पृथक्करण, पुन: उपयोग और पुनर्चक्रण: सबसे बड़ी चुनौती और अपशिष्ट प्रबंधन के अवसर' पर सिस्को वीबेक्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से एक वेबिनार का आयोजन किया। डॉ. सुनील पाण्डेय, निदेशक, पर्यावरण और अपशिष्ट प्रबंधन, टेरी (**TERI**), दिल्ली वेबिनार के आमंत्रित वक्ता थे, जिन्होंने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के बारे में बात की, जो पूरे विश्व के लिए एक चुनौती बना हुआ है। वेबिनार में प्राचार्य प्रो. आर. के. गुप्ता, प्रो. संजय कुमार (संयोजक -**IQAC**), डॉ. मीता भटनागर (नोडल ऑफिसर - आज़ादी का अमृत महोत्सव), डॉ. कृष्णा शुक्ला (संयोजिका - विद्या विस्तार योजना), डॉ. पुनीत चांदला (संयोजक - **NSS**) उपस्थित थे। वेबिनार में बड़ी संख्या में छात्रों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की।

राष्ट्रीय सेवा योजना

प्रोग्राम ऑफिसर - डॉ. पुनीत चांदला छात्र प्रतिनिधि - माही दीवान

'विश्व योग दिवस' (**21** जून, **2021**) के अवसर पर आभासी पटल के माध्यम से "एकाग्रचित्त अवस्था एवं अष्टांगयोग" विषय पर विशिष्ट वक्ता श्री निखिल यादव ने व्याख्यान प्रस्तुत किया। प्राचार्य जी ने योग दिवस के महत्त्व को कई बिंदुओं द्वारा रेखांकित किया। 'योग दिवस' पर एक वीडियो "योगाभ्यास" करते हुए विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई। 'राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस' (**1**जुलाई) के अंतर्गत भारतीय चिकित्सकों को नमन करते हुए कोरोना के दौरान उनके अथक परिश्रम व योगदान को सराहा गया। अनेक वॉलिंटियर्स द्वारा रक्तदान, प्लाज्मा, ऑक्सीजन सिलेंडर व आपातकालीन जानकारी व्हाट्स एप समूह द्वारा दी गयी। विद्यार्थियों द्वारा जीवन में शिक्षा और शिक्षक के महत्त्व को रेखांकित करते हुए पोस्टर और वीडियो बनाकर "शिक्षक दिवस" (**5** सितंबर) मनाया गया। "स्वच्छता दिवस" (**6** सितंबर) के अवसर पर स्वच्छता अभियान से संबंधित विषय पर कुल **22** प्रतिभागियों के साथ "मंथन" (वाद-विवाद प्रतियोगिता) का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विजयी विद्यार्थियों को ई-सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। डॉ. जया मोहन (साइकोलॉजिस्ट) ने आभासी पटल के माध्यम से वेबिनार में "उत्तम मानसिक स्वास्थ्य" (**12** सितंबर) विषय पर महत्त्वपूर्ण वक्तव्य दिया। अपने वक्तव्य में उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों व उनसे निपटने के तरीकों पर विस्तृत चर्चा की। वॉलिंटियर्स ने स्वच्छता अभियान के पोस्टर बनाकर इंस्टाग्राम पर अपलोड किए। अपने आस-पास के क्षेत्र को साफ रखने का संकल्प लेकर "स्वच्छता पखवाड़ा व स्वतंत्रता दौड़" (**15** सितंबर) के अंतर्गत कॉलेज-परिसर की सफाई व स्वतंत्रता दौड़ में भाग लिया। **NSS** दिवस (**25** सितंबर) के अवसर पर श्री अभिलाष सिन्हा जी (फाउंडर, लिटिल सीड) को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया तथा वॉलिंटियर ने "पाठशाला प्रोजेक्ट" के माध्यम से स्लम-क्षेत्र के विभिन्न आयु के बच्चों को शिक्षित करने का जो संकल्प लिया, वह सभी बच्चे इस आयोजन के मुख्य केंद्र थे। अंत में कार्यकारिणी-सदस्यों को बैच प्रदान किये। "चुनावों में मतदान और युवाओं का महत्त्व" विषय पर आभासी पटल के माध्यम से आयोजित वेबिनार (**1**अक्टूबर) में डॉ. ईशा वर्मा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित हुईं।

गांधी जी की पुण्यतिथि के अवसर पर कॉलेज में स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। "अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस" (**11**अक्टूबर) के अवसर पर कॉलेज-छात्राओं ने अनेक भावुक गीतों को वीडियो के रूप में प्रेषित किया। आभासी पटल के माध्यम से "फोबिया" (**17** अक्टूबर) विषय के वेबिनार में डॉ. जया मोहन द्वारा अनेक महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को साझा किया गया। सरदार वल्लभ भाई पटेल (**29** अक्टूबर) की पुण्य स्मृति के अवसर पर विद्या विस्तार स्कीम एवं आजादी का अमृत महोत्सव समिति के संयुक्त तत्त्वावधान में "एकता दिवस" का आयोजन "एक भारत, अखंड भारत" थीम के अंतर्गत किया गया, कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री सुरेश जैन ने की। वक्ता प्रो. रवीन्द्र कुमार गुप्ता व विशिष्ट वक्ता श्री निखिल यादव मुख्य अतिथि के रूप में थे। वॉलिंटियर्स द्वारा नृत्य व गायन के साथ-साथ देश की सांस्कृतिक विशेषताओं को रेखांकित करती हुई अनेक कविताओं का वाचन भी किया गया। आभासी पटल पर 'विद्या विस्तार स्कीम' व 'सृष्टि समिति' के संयुक्त तत्त्वावधान में 'अपशिष्ट सामग्री' (**8** नवंबर) विषय पर विशिष्ट वक्ता डॉ. सुनील पांडे जी (निर्देशक, टेरी, दिल्ली) ने अपने विचारों को प्रकट किया। नए स्वयं सेवकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम (**Orientation Programme,10** जनवरी) में प्राचार्य जी ने संबोधित किया। 'नई शिक्षा नीति **2020**' (**17** जनवरी) विषय पर श्री अतुल कोठारी (राष्ट्रीय सचिव, शिक्षा, संस्कृति उत्थान न्यास) ने अपने विचार रखे। आभासी पटल पर सोशल मीडिया और युवाओं से संबंधित उनके मानसिक व्यवहार एवं क्रियाकलाप (**23** जनवरी) विषय पर सुश्री गरिमा जी ने विद्यार्थियों के समक्ष अपने विचारों को साझा किया। भारतीय सेना में तैनात सूबेदार श्री रामचंद्र सिंह जी (पोस्टिंग काशीपुरा, उत्तराखंड) मातृभूमि के अमर बलिदानी : एक जुबानी (कवि सम्मेलन, **25** जनवरी) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अनेक वॉलिंटियर्स द्वारा देशभक्ति के गीतों व कविताओं का सुंदर वाचन किया गया। डॉ. जया मोहन के साथ 'पॉजिटिव इमोशंस एंगेजमेंट रिलेशनशिप मीनिंग अचीवमेंट' (**PERMA, 6** फरवरी) विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। "प्रोजेक्ट खुशी" (**14** फरवरी) के अंतर्गत वॉलिंटियर्स ने अपने घरों से वस्त्र, भोजन, बिस्किट इत्यादि लाकर उन्हें स्लम के बच्चों, महिलाओं और पुरुषों में वितरित किया। वॉलिंटियर्स द्वारा स्मारक यात्रा (**26** फरवरी) का आयोजन किया गया, जिनमें गुड़िया संग्रहालय और शिल्प संग्रहालय सम्मिलित थे। सदस्य संवर्धन कार्यक्रम (**MEP, 27** फरवरी) आयोजन के अंतर्गत वॉलिंटियर्स के भविष्य के करियर काउंसलिंग हेतु (उन्हें परामर्श और रुचि जागृत करना) इस वेबिनार के मुख्य वक्ता डॉ. अभिमन्यु कुमार (वाणिज्य विभाग) थे। सदस्य संवर्धन कार्यक्रम (**MEP**) और उद्यम परियोजना (**16** अप्रैल) के संयुक्त तत्त्वावधान में एक महत्त्वपूर्ण वेबिनार 'फाइंडिंग हैप्पीनेस एंड करियर काउंसलिंग' विषय पर आमंत्रित वक्ता डॉ. जया मोहन और डॉ. जय शंकर शर्मा के साथ विद्यार्थियों ने अपने करियर से संबंधित सवालों को साझा किया। राष्ट्रीय सेवा योजना का 'वार्षिकोत्सव **- 2022' 25** अप्रैल को हर्ष-उल्लास से संपन्न हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि श्री निखिल यादव जी थे। प्राचार्य जी ने अपने आशीर्वचन व उद्बोधन में भविष्य की असीम शुभकामनाओं के साथ-साथ विद्यार्थियों को अपने जीवन में सत्य, निष्ठा, परोपकार और समाज के लिए सदैव समर्पित रहने की दृढ़ इच्छाशक्ति को प्रेषित किया कि राष्ट्र निर्माण के लिए वॉलिंटियर्स अपने संपूर्ण व्यक्तित्व को समर्पित कर देंगे। क्योंकि राष्ट्र है, तभी हम हैं इस शपथ को हम सभी सदैव स्मरण रखें। श्री निखिल यादव जी ने युवा वर्ग से आह्वान किया कि उनका प्रमुख दायित्व राष्ट्र-निर्माण करना है। राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. पुनीत चांदला सर ने अपने अभिवादन में कॉलेज-यूनिट की वर्ष भर की गतिविधियों को उल्लेखित करने के साथ-साथ सभी वॉलिंटियर को अपने सामाजिक दायित्व के सफल निर्वाह करने हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की। **1** मई, **2022** को दिल्ली विश्वविद्यालय ने अपनी स्थापना के **100** वर्ष पूर्ण किए। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से वालंटियर 'अनुज भारद्वाज' द्वारा प्रतिनिधित्व किया गया। **4** मई को राष्ट्रीय सेवा योजना एवं महिला विकास प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्त्वावधान में 'वूमेन एंपावरमेंट' (महिला सशक्तिकरण) विषय पर आभासी पटल के माध्यम से एक महत्त्वपूर्ण वेबिनार का आयोजन किया गया। इस वेबिनार में प्रो. नमिता राजपूत (वाणिज्य विभाग, श्री अरविंद महाविद्यालय, सदस्य, महिला एवं बाल विकास प्रकोष्ठ) मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित थी। जिन्होंने महिला सशक्तिकरण के विषय पर अपने महत्त्वपूर्ण विचार साझा किए।

राष्ट्रीय कैडेट कोर

ए. एन. ओ. - लेफ्टिनेंट हरि प्रताप सिंह एस. यू. ओ. - अक्षत द्विवेदी और रिया मिश्रा

लेफ्टिनेंट हरि प्रताप सिंह और लेफ्टिनेंट रेणु जोनवाल के मार्गदर्शन में पी.जी.डी.ए.वी. सी.ओ.वाई. द्वारा एकता और अनुशासन का झंडा ऊंचा रखा गया। एस.यू.ओ. वरुण कुमार पाण्डेय और जे.यू.ओ. एकता के नेतृत्व में कैडेटों ने विभिन्न **NCC** गतिविधियों और शिविरों में भाग लिया। सभी कैडेटों ने **21** जून, **2021** को "अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस" के अवसर पर योग और विभिन्न आसनों को करते हुए वीडियो बनाकर इसके लाभों के बारे में जागरूकता फैलाकर स्वास्थ्य के लिए योग (**Yoga for wellness**) के संदेश का प्रसार किया। शारीरिक प्रशिक्षण हो या डिजिटल रूप से अवसर तलाशने के लिए प्रयास, **NCC** कैडेटों ने सभी आधारों पर समान उत्साह दिखाया। पी.जी.डी.ए.वी. सी.ओ.वाई. के एस.डी. और एस.डब्ल्यू. ने **NCC** डिजिटल फोरम के लिए लेख, कविताएं और वीडियो बनाएं और बड़ी संख्या में डिजिटल रूप से अपनी उपस्थिति दर्ज की। जुलाई के दौरान, एक महीने की लंबी गतिविधि चली जहां अन्तिम प्रस्तुति **30** जुलाई, **2021**

तक प्राप्त हुई। शारीरिक स्वास्थ्य और हमेशा हर परिस्थिति के लिए तैयार रहना ही **NCC** कैडेटों को भीड़ से अलग बनाता है। हमारे **NCC** कैडेटों ने **17** अगस्त से **2** अक्टूबर, **2021** के बीच आयोजित "फिट इंडिया कैंपेन" के दौरान बड़ी संख्या में उत्साहपूर्वक भाग लेकर शारीरिक और मानसिक रूप से स्वयं को स्वस्थ साबित किया। ढ़ाई महीने तक चलने वाले इस अभियान का नियमित डेटा बनाए रखा गया तथा हमारे कैडेटों द्वारा किए जाने वाले दैनिक जीवन के शारीरिक व्यायाम जैसे साइकिल चलाना, दौड़ना, चलना आदि उसमें शामिल किया गया। वस्तुत: "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" के नाम से विभिन्न शिविर आयोजित किए गए। हमारे **18** एस.डी. कैडेट्स और **4** एस.डब्ल्यू. कैडेट्स ने इन कैंपों में भाग लिया और प्रस्तुतिकरण और पोस्टर मेकिंग जैसी गतिविधियों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

- एस.डी. - ई.बी.एस.बी. ओडिशा: **20** अप्रैल **- 24** अप्रैल, **2021 - 6** कैडेट
- ई.बी.एस.बी. महाराष्ट्र: **19** जुलाई **- 24** जुलाई, **2021 - 2** कैडेट
- ई.बी.एस.बी. मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़: **20** सितंबर **- 25** सितंबर, **2021 - 4** कैडेट
- ई.बी.एस.बी. उत्तराखंड: **19** दिसंबर **- 24** दिसंबर, **2021 - 4** कैडेट
- ई.बी.एस.बी. केरल और लक्षद्वीप: **25** अक्टूबर **- 31** अक्टूबर, **2021 - 2** कैडेट
- द.प. - ई.बी.एस.बी. ओडिशा: **26** अप्रैल **- 30** अप्रैल, **2021 - 2** कैडेट
- ई.बी.एस.बी. महाराष्ट्र: **23** अगस्त **- 26** अगस्त, **2021 - 2** कैडेट

NCC कैडेट के वास्तविक गुणों को आकार देने के लिए कठिन परिस्थितियां सबसे आवश्यक तत्व हैं। हमारे बहादुर कैडेटों ने न केवल साहसिक ट्रेकिंग शिविर में भाग लिया, बल्कि विभिन्न ट्रेक रेंज की कठोर परिस्थितियों के लिए अपने को असाधारण रूप से अनुकूलित किया। विभिन्न निदेशालयों में आयोजित ट्रेकिंग कैंप में **9** एस.डी. कैडेटों और **4** एस.डब्ल्यू. कैडेटों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। यू.पी. ट्रेकिंग कैंप **8** अक्टूबर **-16** अक्टूबर, **2021**: एस.यू.ओ. वरुण कुमार पाण्डेय और सार्जेंट आदित्य एस. बी. दास, शिवाजी ट्रेकिंग कैंप **24** नवंबर **- 4** दिसंबर, **2021**: जे.यू.ओ. हरिओम, सी.एच.एम. रूपेश राम और सी.क्यू.एम.एस. ऋतिक रोशन, बिहार झारखंड ट्रेकिंग कैंप **1** दिसंबर **-10** दिसंबर : सी.क्यू.एम.एस. नितिन सिंह, सी.डी.टी. कुणाल सिंह, सी.डी.टी. अनिकेत प्रसाद और सी.डी.टी. सोनू, दार्जिलिंग ट्रेकिंग कैंप **15** नवंबर **- 22** नवंबर, **2021**: एल.सी.पी.एल. पुनीता गोस्वामी और सी.डी.टी. रिद्धि रवि, अजमेर ट्रेकिंग कैंप **17** नवंबर **- 24** नवंबर : एल.सी.पी.एल. रिया भाटी और सी.डी.टी. प्रीति। सर्टिफिकेट सिद्धांत और व्यावहारिक परीक्षा की तैयारी के लिए **95** एस.डी. और **15** एस.डब्ल्यू. कैडेटों ने संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर (सी.ए.टी.सी.) में भाग लिया। **CATC** का विवरण निम्नलिखित है :

- सी.ए.टी.सी. : **24** सितंबर **- 27** सितंबर, **2021 - 5** एस.डब्ल्यू.
- सी.ए.टी.सी. : **7** अक्टूबर **- 13** अक्टूबर, **2021 - 59** एस.डी.
- सी.ए.टी.सी. : **26** अक्टूबर **- 2** नवंबर, **2021 -10** एस. डब्ल्यू.
- सी.ए.टी.सी. : **25** नवंबर **- 4** दिसंबर **- 35** एस.डी.

सेना को सावधानीपूर्वक जीवन शैली प्रदान करना **NCC** के कई उद्देश्यों में से एक है। हमारे एस.यू.ओ. वरुण कुमार पाण्डेय ने **21** दिसंबर, **2021** से **8** जनवरी, **2022** के बीच आयोजित प्रतिष्ठित इंडियन मिलिट्री एकेडमी अटैचमेंट कैंप में भाग लेकर इस कड़ी मेहनत के अवसर का लाभ उठाया। जे.यू.ओ. एकता ने अपनी इच्छाशक्ति से **20** दिसंबर, **2021** से **12** जनवरी, **2022** के बीच आयोजित पैरा-स्लिथरिंग के दो संवर्गों को पूरा किया।

पराक्रम दिवस के शुभ अवसर पर **23** जनवरी, **2022** को 'नेताजी सुभाषचंद्र बोस' पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। जिसमें हमारे मुख्य अतिथि पूर्व सेना अधिकारी कर्नल वी. एन. थापर जी रहे, जिन्होंने उत्साहवर्धक वक्तव्य दिया। **NCC** कैडेटों ने पूरे जोश के साथ इसमें सक्रिय रूप से भाग लिया और भारतीय सेना का अनुशासन, साहस और नैतिकता के बारे में बहुत कुछ सीखा। राजपथ पर मार्च करना बहुत लोगों का सपना होता है लेकिन बहुत कम लोग ही अपनी मेहनत और पसीने से इस सपने को साकार कर पाते हैं। जे.यू.ओ. सुधीर सिंह चौहान और जे.यू.ओ. आशीष दत्त भट्ट ने गर्व के साथ राजपथ पर मार्च किया और जे.यू.ओ. प्रियवंश दिल्ली निदेशालय की पी.एम. रैली दल का नेतृत्व कर रहे थे और **18** दिसंबर, **2021** के बीच आयोजित प्रतिष्ठित रिपब्लिक डे परेड कैंप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। जनवरी, **2022** को **11** एस.डब्ल्यू. कैडेटों ने दिल्ली गर्ल्स बटालियन में **13** सितंबर से **17** सितंबर के बीच आयोजित गणतंत्र दिवस के अभ्यास शिविर में भाग लिया। कॉलेज के पूर्व **NCC** कैडेट गौरव राणा ने कैप्टन के रूप में असम राइफल्स की मार्चिंग टुकड़ी का नेतृत्व किया, जो पी.जी.डी.ए.वी. सी.ओ.वाई. के गौरव को बढ़ाता है। पी.एम. रैली शिविर हर साल की तरह उत्साह और उमंग के साथ एस.एन.आई.सी. के साथ आयोजित किया गया जहां सांस्कृतिक और साहसिक गतिविधियों का आयोजन किया गया था और पी.जी.डी.ए.वी. सी.ओ.वाई. के कैडेटों ने उसमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, यह **1** दिसंबर से **29** जनवरी, **2022** तक आयोजित किया गया था। **10** एस.डी., जे.यू.ओ हरिओम, एल.सी.पी.एल. धीरज सिंह रावत, लक्ष्मण कुमार सोलंकी, सी.डी.टी.एन. करण सिंह झाखड़, सी.डी.टी. ऋतिक, सी.डी.टी. संतोष बी. के., सी.डी.टी. वेद द्विवेदी, सी.डी.टी. विनय कुमार झा, सी.डी.टी. मधुर, सी.डी.टी. रोहित और **4** एस.डब्ल्यू. कैडेट एल.सी.पी.एल. आंचा गुप्ता, सी.डी.टी. प्रीति, सी.डी.टी. समीक्षा, सी.डी.टी. भूमिका ने पी.एम. रैली सांस्कृतिक शिविर में भाग लिया। जे.यू.ओ. हरिओम और सी.डी.टी. प्रीति ने **29** जनवरी को पी.एम. रैली कल्चरल कैंप में अपने योगदान के लिए प्रतिष्ठित एडीजी प्रशंसा पुरस्कार हासिल किया। सार्जेंट कार्तिक भाटी, सार्जेंट आदित्य दास, सी.डी.टी.

अभिषेक चौहान, सी.डी.टी. रेशम आनंद मंडल ने **28** जनवरी, **2022** को हुई पी.एम. रैली में भाग लिया। **12** दिसंबर को आयोजित विजय पर्व में **5** कैडेटों ने भाग लिया, जबकि **25** कैडेटों ने **12** जनवरी, **2022** को आयोजित 'राष्ट्रीय युवा उत्सव' में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। **14** फरवरी को **NCC** कैडेटों ने पुलवामा हमले में शहीद हुए **40** वीर जवानों को पुष्पांजलि अर्पित की और उन शहीदों के बलिदान को सलामी दी। हर शनिवार को ऑनलाइन **NCC** कक्षाओं में भाग लेना, **24** अप्रैल, **2021** को 'दीक्षा एप' पर **COVID -19** का प्रशिक्षण प्राप्त करके सरकार की सहायता करने से लेकर ट्रेकिंग करने तक के अपने सभी कार्यों एवं योजनाओं में पी.जी.डी.ए.वी. सी.ओ.वाई. कैडेट्स ने अपनी साहसिक भावना और कुशल अनुशासन को प्रस्तुत किया है, और साथ ही बेहतर करने के लिए प्रयास करते रहने के अपने उत्साह को बनाये रखा।

IQAC वार्षिक रिपोर्ट

प्रो. संजय कुमार

अकादमिक दृष्टि से वर्ष **2021-2022** कॉलेज के लिए पदोन्नति का वर्ष रहा। दिल्ली विश्वविद्यालय के अधिकारियों को साधुवाद है कि उन्होंने वर्षों से पदोन्नति के लंबित मामलों को हल किया। हमारे कॉलेज में भी **23** शिक्षकों की लंबित पदोन्नति हुई, जिसमें हमारे प्राचार्य प्रो. आर. के. गुप्ता द्वारा निभाई गई भूमिका बेहद सराहनीय है। वर्ष **2021-2022** के दौरान सभी पदोन्नतियों के पीछे उनकी कर्मठता थी। **9** सहायक प्रोफेसरों को **CAS - 2018** के तहत स्टेज **I** से स्टेज **II** में पदोन्नत किया गया। **18** सहायक प्रोफेसरों को **CAS - 2018** के नियमानुसार **II** स्केल से **III** स्केल तक पदोन्नत किया गया। **14** सहायक प्रोफेसरों को एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया। हमारे **6** सहयोगियों को एक वर्ष के भीतर लगातार तीन प्रमोशन मिली। यह दिल्ली विश्वविद्यालय के इतिहास में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है कि पहली बार कॉलेज में प्रोफेसरशिप दी गई और इस प्रावधान के तहत कॉलेज के **7** एसोसिएट प्रोफेसरों को चयन समिति द्वारा प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया। प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत होने वाले शिक्षकों में क्रमशः **3** हिंदी विभाग से, **3** राजनीति विज्ञान से और **1** इतिहास विभाग से हैं। आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के नियमित कामकाज के अलावा, वर्ष **2019-20** और **2020-21** के लिए **25.08.2021** को शैक्षणिक और प्रशासनिक ऑडिट पूरा किया गया। **17** सितंबर, **2021** को वार्षिक गुणवत्ता आश्वासन रिपोर्ट **2019-20** को तैयार करके **NAAC** पोर्टल पर अपलोड किया गया। चूंकि इस वर्ष **NAAC** प्रत्यायन का दूसरा दौर होने वाला है, इसलिए डेटा का संग्रह और **S.S.R.** की तैयारी चल रही है। **S.S.R.** का पहला मसौदा तैयार है और आगे का डेटा व साक्ष्य का संग्रह जल्द ही पूरा होने जा रहा है। कॉलेज ने इस वर्ष **NIRF** (नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क) **2021** और **2022** के लिए सफलतापूर्वक अपने को पंजीकृत किया है। कॉलेज ने शिक्षा मंत्रालय **2021** की **A.R.I.I.A.** (अटल रैंकिंग ऑफ़ इंस्टिट्यूट्स ऑफ़ इनोवेशन एचीवमेंट्स) लिस्ट में शामिल होने के लिए फाइल किया है। इस वर्ष कॉलेज ने एक बाहरी अनुभवी और प्रमाणित सलाहकार से पर्यावरण ऑडिट भी सम्पन्न करवाया।

इस समयावधि में पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज (सांध्य) के **IQAC** सेल ने कॉलेज के विभिन्न विभागों और विभिन्न सोसाइटियों के सहयोग से कई वेबिनार और सेमिनार आयोजित किए। आईक्यूएसी प्रकोष्ठ दिल्ली यूनिवर्सिटी की 'विद्या विस्तार योजना' और 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' के उत्सव से भी जुड़ा है। **IQAC** के तत्त्वावधान में आयोजित कुछ महत्त्वपूर्ण वेबिनार हुए जैसे : **17** जनवरी, **2022** को श्री अतुल कोठारी जी, (राष्ट्रीय सचिव, शिक्षा, संस्कृति उत्थान न्यास) का 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति **2020**' **(NEP)** पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। सारस क्रेन के संदर्भ में 'सृष्टि' द्वारा **2** फरवरी, **2022** को 'वेटलैंड इकोसिस्टम एक प्रतीक' (आर्द्रभूमि पारिस्थितिकी तंत्र) कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसे वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया के डॉ. समीर कुमार सिन्हा द्वारा प्रस्तुत किया गया। **21** फरवरी, **2022** को लोकगीत गायन प्रतियोगिता में श्री रवीन्द्र शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, यह आयोजन भी एक बड़ी सफलता थी।

शुभ आशीष

संयोजक - डॉ. विनीत कुमार सिन्हा

पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज (सांध्य) के द्वारा वर्ष **2018** के अगस्त महीने में मानवीय संवेदनाओं पर आधारित 'शुभ आशीष' नामक विशेष आभियान का आरंभ किया गया था, जिसके अंतर्गत महाविद्यालय के सभी विभाग के विद्यार्थी प्रत्येक महीने में कम से कम एक बार या अधिकतम दो बार वृद्धाश्रम का दौरा करते हैं। 'शुभ आशीष' के संयोजक भी

विद्यार्थियों के साथ वहां जाते हैं। 'शुभ आशीष: वार्षिक रिपोर्ट **(2021-22),'** कोविड संकट अभी समाप्त नहीं हुआ है और एक आपदा के रूप में यह हमारे समक्ष अभी भी खड़ा है। कोविड**-19** की समस्या के कारण ही, एक लंबे अंतराल के बाद **'**शुभ आशीष**'** के अंतर्गत महाविद्यालय के विद्यार्थियों का वृद्धाश्रम जाना हो पाया। ऐसा इसलिए कि वृद्धाश्रम प्रबंधन समिति द्वारा वहां सेवा कार्य एवं सेवा दर्शन की अनुमति नहीं मिल पा रही थी। आग्रह के फलस्वरूप हमें अनुमति मिली और अप्रैल माह के दिनांक **19** और **20** को हमारी विजिट बन पायी। विद्यार्थियों का उत्साह देखने वाला था। एक नई दुनिया से उनका परिचय होने वाला था। शुभ आशीष के अंतर्गत सेवा दर्शन एवं सेवा कार्य की शुरुआत सन **2018** से हुई है। अभी तक लगभग **800** के आसपास विद्यार्थी हमारे साथ जुड़कर इस आवश्यक और संवेदनशील अभियान को पूरा कर चुके हैं। इस वर्ष के विजिट में दिनांक **19-04-2022** को **29** विद्यार्थी वृद्धाश्रम गए। इसके अतिरिक्त दिल्ली विश्वविद्यालय के अन्य महाविद्यालय के **9** विद्यार्थी भी हमारे साथ गए। दिनांक **20-04-2020** को हम दोबारा वहां विजिट करने गए जिसमें **19** विद्यार्थियों का जाना हुआ। वृद्धाश्रम विजिट का हमारा उद्देश्य विद्यार्थियों में संवेदना, विनम्रता, गरिमा और सेवा भाव जगाने का संकल्प लेने के प्रति आग्रही बनाना है। शुभ आशीष के संयोजक होने के नाते हम कह सकते हैं कि हम अपने उद्देश्यों में क्रमशः सफलता की ओर बढ़ रहे हैं। अपने समस्त सहयोगियों और विद्यार्थियों के सहयोग से हम अपने इस कार्य को और अधिक विस्तृत कर पाएंगे, ऐसा हमें पूर्ण विश्वास है।

रेड रिबन क्लब **(RRC)**

संयोजिका - डॉ. मीनाक्षी यादव

रेड रिबन क्लब भारत सरकार द्वारा स्कूलों और कॉलेजों में शुरू किया गया एक ऐसा आंदोलन है, जिसके माध्यम से छात्र एच.आई. वी./एड्स के बारे में जागरूकता फैलाएंगे। यह क्लब एड्स से पीड़ित लोगों के समर्थन में खड़ा है। यह छात्रों की स्वास्थ्यवर्धक जीवन शैली विकसित करने की दिशा में सहायता करने के लिए सभी छात्रों के बीच स्पष्ट विचारों की परिकल्पना करता है। शैक्षणिक संस्थानों में **RRC** की भूमिका यही है कि युवाओं को सही, संक्षिप्त और पर्याप्त जानकारी के साथ शिक्षित करना व एच.आई.वी./एड्स के बारे में जागरूकता के स्तर को बढ़ाना। आपकी जानकारी के लिए बताना चाहती हूँ कि दिल्ली स्टेट एड्स कंट्रोल सोसाइटी (डी.एस.ए.सी.एस.) के तहत सत्र **2021-22** में **RRC** कॉलेज का नवनिर्मित क्लब है, जिसने कई कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया है।**14** सितंबर, **2021** को कॉलेज के रेड रिबन क्लब और आईक्यूएसी के बैनर तले "एच.आई.वी./एड्स को कम करने में युवाओं की भूमिका" विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। जिसमें श्रीमती सुजिता गहलौत, सहायक निदेशक युवा मामले, **(DSACS)** मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित हुईं। मुख्य वक्ता ने छात्रों को बताया कि एड्स क्या है और कैसे होता है **?** एच.आई.वी./एड्स के मुख्य लक्षण और बचाव के बारे में बताया। इस विषय की महत्ता और गंभीरता को समझते हुए वेबिनार के बाद सेल ने पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन भी किया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस प्रतियोगिता में छात्रों के द्वारा बनाई गयी उत्कृष्ट कृतियों को क्रमशः प्रथम (समृद्ध रंजन), दूसरा (नमन वाधवा), तीसरा (हर्ष प्रीत सिंह) स्थान प्राप्त हुआ। इस संकटकाल में कॉलेज ने अपने दो होनहार शिक्षकों डॉ. अनिल कुमार सिंह (हिन्दी विभाग) और डॉ. राजीव रंजन (इतिहास विभाग) को खोया। उनकी स्मृति में **13** अप्रैल, **2022** को कॉलेज परिसर में रोटरी क्लब ऑफ नॉर्थ दिल्ली के सहयोग से **RRC** और कॉलेज के रोटारैक्ट क्लब ने संयुक्त रूप से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर सुबह **10:00** बजे शुरू हुआ और शाम **4:00** बजे तक चला, जिसमें रक्तदान करने से पहले उचित जांच की गई थी। इस नेक काम में अपना योगदान देने के लिए कुल **112** दानदाता आगे आए। प्राचार्य प्रो. आर. के. गुप्ता, **RRC** की संयोजिका डॉ. मीनाक्षी यादव और रोटारैक्ट क्लब के संयोजक डॉ. कृष्ण मुरारी कार्यक्रम की निगरानी और अधिक से अधिक विद्यार्थियों को इस कार्य में शामिल होने के लिए प्रेरित करने के लिए उपस्थित थे। क्लब ने सभी रक्त दानदाताओं को प्रमाण पत्र और मेडल प्रदान किए। क्लब सभी दानदाताओं का तहे दिल से आभार व्यक्त करता है क्योंकि वे असली हीरो हैं।

बिजली, पानी और स्वच्छता
(लाइट, वाटर एंड सेनिटेशन)

संयोजिका - डॉ. राजकुमारी पाण्डेय

बिजली, पानी और स्वच्छता (लाइट, वाटर एंड सेनिटेशन) समिति द्वारा **30-12-2021** को कॉलेज कैन्टीन में जागरूकता अभियान चलाया गया, जिसमें समिति के सदस्यों और विद्यार्थियों ने भाग लिया। समिति ने समय-समय पर कॉलेज परिसर का निरीक्षण किया और अपनी रिपोर्ट दी। **15 -2 - 2022** को समिति ने **'**स्लोगन लेखन**'** प्रतियोगिता का आयोजन भी किया।

इनेक्टस

संयोजिका - श्रीमती सोनिया ढींगरा

इस सेल ने **14** से **21** अगस्त, **2021** तक आयोजित 'इनेक्टस इंडिया नेशनल प्रतियोगिता' में कॉलेज के **20** छात्रों की एनेक्टस टीम ने भाग लिया और प्रतिभागिता प्रमाण पत्र प्राप्त किया। परियोजना का विषय "लीफ प्लेट्स" था। **15** जनवरी, **2022** को "वैश्विक संकट के दौरान कौशल सुधार और अपस्किलिंग" पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया, जिसमें **ITM** बिजनेस स्कूल नई मुंबई की प्रो. खुशबू वर्मा मुख्य वक्ता थी। साथ ही, छात्रों ने **14** मार्च, **2022**, से **29** मार्च, **2022** और **12** अप्रैल, **2022** को अपने उत्पादों (पेंसिल पाउच, टोट बैग, किराना बैग, लंच बैग और मास्क) की बिक्री के लिए कॉलेज परिसर में स्टाल लगाया । चल रहे "वस्तु" परियोजना के तहत सरप्लस फैब्रिक सामग्री द्वारा उत्पादों को बनाया गया था।

स्किल इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप सेल **(SIEC)**

(कौशल नवाचार और उद्यमिता प्रकोष्ठ)

संयोजिका - श्रीमती सोनिया ढींगरा

स्किल, इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप सेल **(SIEC)** और कॉलेज के नेशनल इनोवेशन एंड स्टार्टअप पॉलिसी सेल ने मिलकर **9** नवंबर, **2021** को सामाजिक उद्यमिता पर एक वेबिनार का आयोजन किया। **ISERD** एनालिटिक्स के सह-संस्थापक श्री शेखर सुमन और श्री बृजेश जुनेजा को वेबिनार के लिए वक्ताओं के रूप में आमंत्रित किया गया था। श्री शेखर ने उद्यमशीलता प्रक्रिया में शामिल विभिन्न चरणों के बारे में बताया और किसी भी उद्यम की मापनीयता और स्थिरता की आवश्यकता पर जोर दिया। बाद में, श्री बृजेश ने सामाजिक उद्यमिता के क्षेत्र और वर्तमान परिदृश्य में इसकी प्रासंगिकता के बारे में चर्चा की। उन्होंने स्टार्टअप इंडिया, स्टैंडअप इंडिया जैसी सरकारी पहलों के बारे में भी बात की और स्टार्टअप इंडिया पोर्टल में पंजीकरण की प्रक्रिया के बारे में बताया। सेल ने जेस्ट-मार्केटिंग क्लब व करियर गाइडेंस कमेटी के सहयोग से **24** नवंबर, **2021** को डिजिटल मार्केटिंग पर एक वेबिनार का आयोजन किया। डॉ. कल्पना कुमारन, एसोसिएट प्रोफेसर और **HOD - PGDM** डिजिटल मार्केटिंग एंड ट्रांसफॉर्मेशन, **ITM** बिजनेस स्कूल कार्यक्रम की मुख्य वक्ता थी। उन्होंने डिजिटल मार्केटिंग के विभिन्न पहलुओं जैसे ई-कॉमर्स और ई-बिजनेस के बीच अंतर, ई-कॉमर्स से ई-बिजनेस में बदलाव, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर व्यवसाय चलाने के लाभों पर भी प्रकाश डाला। **ENACTUS , IQAC** और विद्या विस्तार योजना के सहयोग से सेल ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म ज़ूम पर **15** जनवरी, **2022** को 'वैश्विक संकट के दौरान कौशल सुधार और अपस्किलिंग' विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया। **ITM** बिजनेस स्कूल, नयी मुंबई में **IT** पेशेवर और पूर्णकालिक सॉफ्ट स्किल ट्रेनर प्रो. खुशबू वर्मा प्रमुख वक्ता थी। उन्होंने कोविड के बाद के समय में सॉफ्ट और हार्ड स्किल्स को बढ़ाने के महत्त्व को विस्तार से बताया। उन्होंने पेशेवरों के साथ संपर्क विकसित करने में सोशल मीडिया और नेटवर्किंग साइटों के महत्त्व और लोगों पर अच्छा प्रभाव बनाने के लिए आवश्यक कौशल का भी उल्लेख किया।

सेवी **(SAVI - Student Association for Verbal Interaction)**

संयोजक - डॉ. मयंक पांडेय

इस विद्यार्थी समूह की शुरुआत प्राचार्य प्रो. आर. के. गुप्ता (संरक्षक) और डॉ. एस. सी. शर्मा (संयोजक) के संयुक्त निर्देशन में दो विद्यार्थियों के द्वारा **2016** में की गयी थी। सवी **(SAVI)** कॉलेज की एक महत्त्वपूर्ण पहल है। जिसमें विद्यार्थी अपनी शब्दावली, व्यक्तित्व विकास और समसामयिक मुद्दों को आधार बनाकर अपनी कक्षाओं का संचालन करता है। इस समय **SAVI** से जुड़े विद्यार्थियों की संख्या लगभग **30-35** के बीच है। इसके सदस्यों की चयन प्रक्रिया व्यक्तिगत साक्षात्कार पर आधारित होती है, जो वरिष्ठ छात्रों द्वारा आयोजित की जाती है। **SAVI** के द्वारा विभिन्न अंतः और अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिताओं एवं कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

'विश्व ओजोन दिवस **2021'** के अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय ओजोन परत संरक्षण दिवस **2021** के संदर्भ में सृष्टि, **SAVI** और **IQAC** द्वारा संयुक्त रूप से **17** सितंबर, **2021** को गूगल मीट प्लेटफॉर्म का उपयोग करके वेबिनार का आयोजन किया । वेबिनार का विषय था 'जीवन के लिए ओजोन: ओजोन परत का संरक्षण'। वेबिनार के वक्ता डॉ. कृपा राम, सहायक प्रोफेसर, पर्यावरण और सतत विकास संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी से थे। वेबिनार के दौरान कुल **74** छात्र और संकाय सदस्य उपस्थित थे।

• सतर्कता जागरूकता सप्ताह **2021:– 26** अक्टूबर से **1** नवंबर, **2021** तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह **2021** मनाया गया, जिसकी थीम थी **'Independent India @75: Self Reliance with Integrity'** (स्वतंत्र भारत @75: सत्यनिष्ठा से आत्मनिर्भरता)। स्टूडेंट्स एसोसिएशन फॉर वर्बल इंटरेक्शन **(SAVI)**, आईक्यूएसी और आज़ादी का अमृत महोत्सव सेल ने इसी विषय पर सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के सहयोग से सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया। **SAVI** ने **28** अक्टूबर, **2021** को कॉलेज के सेमिनार हॉल में अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिताओं (क्विज और जस्ट-ए-मिनट) का आयोजन किया। विजेताओं को नकद पुरस्कार और योग्यता प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया, प्रतिभागियों को भागीदारी का प्रमाण पत्र दिया गया।

• **SAVI** का वार्षिक समारोह**:– SAVI** ने अपने वार्षिक समारोह का आयोजन **13** सितंबर, **2021** को कॉलेज के सेमिनार हॉल में फिजिकल मोड में किया। कार्यक्रम आधिकारिक तौर पर पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज (सांध्य) के गान द्वारा शुरू किया गया। इसके बाद **SAVians** ने अपनी गतिविधियों और उपलब्धियों पर प्रस्तुति दी। प्राचार्य प्रो. आर. के. गुप्ता ने अपना भाषण दिया और छात्रों से बातचीत की। पूर्व व वर्तमान पदाधिकारियों को ट्राफी व बैज देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की रिकॉर्डिंग श्री विनोद (कम्प्यूटर लैब) ने की।

• **Library Automation using KOHA (Open-Source Software)** पर वेबिनार**:–** पुस्तकालय समिति ने **IQAC, SAVI, IT Cell, YUVA, Computerization and Automation Committee**, विद्या विस्तार योजना और आज़ादी का अमृत महोत्सव के सहयोग से **16** मार्च, **2022** को गूगल मीट प्लेटफॉर्म पर **KOHA** (ओपन-सोर्स सॉफ्टवेयर) का उपयोग कर पुस्तकालय स्वचालन पर एक वेबिनार का आयोजन किया। श्री राजीव दत्ता, **KOHA** विशेषज्ञ, **Avior** टेक्नोलॉजीज प्रा. लिमिटेड वेबिनार के अतिथि वक्ता थे।

• भारतीय नव वर्ष एवं आर्य समाज स्थापना दिवस पर कार्यक्रम**:–** भारतीय नववर्ष और आर्य समाज स्थापना दिवस के अवसर पर 'भारतीय नववर्ष की वैज्ञानिकता' विषय पर आईक्यूएसी, युवा, सांस्कृतिक और नैतिकता प्रकोष्ठ, **SAVI,** उड़ान, संस्कृत परिषद् और आज़ादी का अमृत महोत्सव के सहयोग से **6** अप्रैल, **2022** को एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। श्री शंकरानंद, अखिल भारतीय सह-संगठन मंत्री, भारतीय शिक्षण मंडल, संगोष्ठी के अतिथि वक्ता थे।

• **TEJAS MARK VI:– SAVI** प्रतिवर्ष अंतर-महाविद्यालय प्रतियोगिता **- 'तेजस'** आयोजित करता है जो विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच बहुत प्रसिद्ध है। इस वर्ष भी, **SAVI** ने **25** अप्रैल, **2022** को गूगल मीट के माध्यम से **'तेजस VI'** का आयोजन किया। प्रतियोगिता दो स्तरों में आयोजित की गई थी; टियर **1 -** क्विज़ और टियर **2 -** टर्नकोट। प्रतियोगिता के लिए पचास से अधिक छात्रों ने अपना पंजीकरण कराया। तीन विजेताओं (प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार) को पुरस्कार और योग्यता प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया, जबकि प्रतिभागियों को भागीदारी प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया।

एडऑन कोर्स - लीगल अवेयरनेस
प्रो. मीना शर्मा

'Legal Awareness' के ग्यारहवें बैच का आरंभ **5** फरवरी, **2022** को हुआ, जो **5** अप्रैल तक चला। इस पाठ्यक्रम में कुल **10** कक्षा-सत्रों की व्यवस्था की गई, जिसमें दिल्ली के **11 district or session judges** ने लेक्चर दिए। इस प्रोग्राम का उद्घाटन समारोह **5** फरवरी को आफलाइन माध्यम से हुआ। जिसमें **Ld. Principal District & Sessions Judge, South-East MS Neena Bansal Krishna** मैम ने कानूनी व्यवस्था के महत्त्व को समझाते हुए अपना वक्तव्य दिया। इसके पश्चात् सम्पूर्ण सत्र आनलाइन माध्यम में संचालित किया गया। **30** मार्च को विद्यार्थियों को वर्चुअल माध्यम से साकेत कोर्ट का भ्रमण कराया गया। जहां उन्होंने कोर्ट में संचालित की जाने वाली गतिविधियों को बारीकी से देखा, साथ ही कालका जी पुलिस स्टेशन भी आनलाइन माध्यम से दिखाया गया। पाठ्यक्रम के अंत में **5** अप्रैल को समापन समारोह में **Sh. Sanjay Garg, Ld Principal District & Sessions Judge-cum- Chairperson, DLSA South-East** को मुख्य अतिथि के रुप में आमंत्रित किया गया। उनके साथ कॉलेज के प्राचार्य महोदय ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। अंशुमन आदिल तृतीय वर्ष बी.ए. (प्रोग्राम) और अनामिका ने इस कार्यक्रम को सुव्यवस्थित रूप से पूर्ण करवाने में अपना बहुमूल्य योगदान दिया। कॉलेज के ग़ैर-शैक्षणिक विभाग से प्रदीप जी, राकेश जी व विनोद जी का बहुत सहयोग रहा।

योग सभा (Yoga Club)

संयोजिका- डॉ. श्रुति विप
योग प्रशिक्षक – पुष्प

विद्यार्थी समन्वयक – मानसी वर्मा

दैनिक जीवन में योग शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक रूप से यौगिक अभ्यासों को आत्मसात करने का एक प्रयास है। योग क्लब सत्र **2021-22** के लिए **9** अगस्त, **2021** से ऑनलाइन कक्षाओं का आयोजन कर रहा है जिसमें इच्छुक छात्रों ने भाग लिया है जिसमें उन्हें भस्त्रिका प्राणायाम और इसके विभिन्न प्रकार की मुद्राएं जैसे चिनमुद्रा, चिन्मय मुद्रा, पद्मासन आदि कई योग अभ्यास सिखाए जाते हैं। **9** सितंबर, **2021** को पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज (सांध्य) द्वारा "कोरोना की तीसरी लहर के खिलाफ खुद को सुरक्षित रखें" विषय पर एक जी.एम.ई.टी. वेबिनार का आयोजन किया गया, जिसमें योग क्लब ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। डॉ. सीमा कपालिया ने बताया कि मास्क, सैनिटाइजर का सही तरीके से इस्तेमाल कैसे करें। श्री अजय दुबे ने कुछ योगासन, प्राणायाम और हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के उपाय बताए। इस वेबिनार में **60** छात्रों ने भाग लिया। गांधी जयंती **2** अक्टूबर, **2021** के अवसर पर, योग क्लब ने गांधी स्टडी सर्किल के साथ **50** से अधिक प्रतिभागियों का सहयोग किया। योग प्रशिक्षक पुष्प ने कई आसनों और प्राणायाम के बारे में बताया। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. आर. के. गुप्ता ने गांधी जी के सिद्धांतों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। **22** जनवरी से प्रशिक्षक के मार्गदर्शन में ऑनलाइन योग कक्षाएं फिर से शुरू की गईं। **14** जनवरी, **2022** को पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय (सांध्य) के योग क्लब ने आज़ादी का अमृत महोत्सव मनाने की प्रक्रिया में, और आयुष मंत्रालय द्वारा सूर्य-नमस्कार कार्यक्रम की पहल में योगदान करने के लिए, एक ऑनलाइन कार्यक्रम "स्वतंत्रता की **75** वीं वर्षगांठ पर एक श्रद्धांजलि **- 75** करोड़ सूर्य-नमस्कार" का आयोजन किया। गूगल मीट ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर **14** जनवरी, **2022** से शुरू होकर **21** दिनों की अवधि के लिए प्रतिदिन सूर्य नमस्कार के **13** चक्कर लगाने के निर्धारित दिशा- निर्देशों के अनुसार कार्यक्रम किया। **26** जनवरी, **2022** को योग क्लब ने गणतंत्र दिवस पर आज़ादी का अमृत महोत्सव मनाया। कार्यक्रम का उद्घाटन समीक्षा द्वारा दिए गए स्वागत भाषण और अभिजीत कुमार द्वारा गायत्री मंत्र से किया गया। बाद में प्राचार्य प्रो. आर. के. गुप्ता और डॉ. श्रुति विप ने सभी प्रतिभागियों को अपने विचारों से प्रोत्साहित किया। पुष्प (योग प्रशिक्षक) ने वैज्ञानिक तकनीकों के साथ नियमों, विनियमों और सूर्य-नमस्कार करने के तरीके का प्रदर्शन किया। सभी प्रतिभागियों ने संगीत के साथ सूर्य-नमस्कार के **13** चक्रों का प्रदर्शन जारी रखा, जैसा कि प्रशिक्षक द्वारा निर्देशित किया गया था और उसके बाद सुखासन किया गया था। **1** फरवरी, **2022** से योग क्लब ने सोमवार से शुक्रवार तक नियमित कक्षाओं के लिए फिटनेस मॉर्निंग नामक एक पहल की, जिसमें छात्रों को एक समय-सारिणी बनाने की सलाह दी गई, जिसमें वे विशिष्ट लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए व्यायाम का चयन कर सकें। योग क्लब ने रोटारैक्ट क्लब और **WDC** के सहयोग से "ब्रेन स्टॉर्म" क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें **18** प्रतिभागी थे और **2** मई, **2022** को **8** प्रतिभागियों के साथ योगासन प्रतियोगिता, योग प्रतियोगिता कॉलेज के सेमिनार हॉल में ऑफलाइन मोड में हुई। कार्यक्रम में **40** से अधिक छात्र-छात्राएं शामिल हुए। इसके बाद कॉलेज का एक पूर्व छात्र व एक प्रमाणित योग प्रशिक्षक, श्री अजय दुबे द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। डॉ. कृष्ण मुरारी ने अपने परिचयात्मक भाषण से छात्रों का उत्साहवर्धन किया। प्राचार्य प्रो. आर. के. गुप्ता ने दर्शकों को नियमित योगाभ्यास के लाभों से अवगत कराया।

कॉलेज कैडेट कोर 'संकल्प' SANKALP (सी. सी. सी.)

संयोजक - श्री मनोज कुमार

छात्र प्रतिनिधि- गुलशन झा और आनंदी

कॉलेज संस्था 'संकल्प- **College Cadet Corps** आन्तरिक निकाय के रूप में छात्रों को राष्ट्रीय कैडेट कोर के अनुरूप शारीरिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। यह उन छात्रों के लिए है जो **NCC** में शामिल होने में असमर्थ हैं। कोविड**-19** के कारण होने वाले 'राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन' ने मानव जीवन को अपने घरों तक सीमित कर दिया था, इसके कारण संकल्प सहित कॉलेज की सभी गतिविधियां डिजिटल मीडिया के माध्यम से संचालित की गईं। डॉ. सुरेश चंद्र शर्मा द्वारा दिए गए उद्घाटन व्याख्यान में उन्होंने कहा कि संकल्प में छात्रों को शारीरिक प्रशिक्षण के द्वारा जीवन में अनुशासन और नियमितता के आधारभूत मूल्यों के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जाता है। इस साल संकल्प में **46** विद्यार्थियों ने नामांकन कराया था। संकल्प के संयोजक मनोज कुमार के मार्गदर्शन में वर्ष भर विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया गया। पहली बार, हमारे कॉलेज के प्राचार्य प्रो. आर. के. गुप्ता की सहमति से छात्रों के शारीरिक प्रशिक्षण के लिए **NCC** तथा संकल्प ने एक साथ संयुक्त उद्यम प्रारम्भ किया। कैडेट ने कॉलेज में कोविड**-19**

के लिए टीकाकरण अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. रवीन्द्र कुमार गुप्ता ने भी राष्ट्र निर्माण में विधार्थियों की भूमिका के लिए संबोधित करते हुए उनके महत्त्व को रेखांकित किया।

संप्रभु सोसाइटी
संयोजक - प्रो. कृष्ण मुरारी

राजनीति विज्ञान विभाग की 'संप्रभु सोसाइटी' अपनी परंपरा को जारी रखे हुए हैं। समिति विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से बुद्धिजीवियों को संगठित करके, छात्र समुदाय को एक सकारात्मक वातावरण प्रदान करती है। कोरोना महामारी की स्थिति को देखते हुए वर्चुअल मोड में **22** फरवरी, **2022** को 'फ्रेशर पार्टी' का आयोजन किया गया, जिसमें प्रथम वर्ष के छात्रों का औपचारिक रूप से स्वागत किया गया। **7** मई, **2022** को दो साल के अंतराल पर अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए 'विदाई समारोह' का आयोजन किया गया।

शारीरिक शिक्षा समिति
निर्देशक - डॉ. प्रमोद सेठी

कॉलेज में स्वामी दयानंद हाई परफॉर्मेंस स्पोर्ट्स ट्रेनिंग अकादमी शुरू करने के लिए दिल्ली स्टेट वॉलीबॉल एसोसिएशन और दिल्ली स्टेट ताइक्वांडो एसोसिएशन के साथ एक समझौता ज्ञापन (**M.O.U.**) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। कॉलेज में **19** छात्रों ने जूडो, वॉलीबॉल, बास्केट बॉल, क्रिकेट और भारोत्तोलन खेल और खेल में स्पोर्ट्स कोटा के माध्यम से प्रवेश लिया है। बी.ए. (प्रोग्राम) द्वितीय वर्ष के अर्जुन शर्मा ने दिल्ली राज्य का प्रतिनिधित्व किया और भुवनेश्वर, ओडिशा में राष्ट्रीय भारोत्तोलन चैम्पियनशिप **2021-2022** में भाग लिया व दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया तथा चंडीगढ़ में अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय भारोत्तोलन चैम्पियनशिप में भाग लिया। बी.ए. (प्रोग्राम) द्वितीय वर्ष के दीपक यदुवंशी ने दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया और केरल विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय ताइक्वांडो चैम्पियनशिप में भाग लिया। वॉलीबॉल टीम (एम) ने दिल्ली राज्य यूथ वॉलीबॉल चैंपियनशिप में तीसरा स्थान हासिल किया।

रोटारैक्ट क्लब
संयोजक - प्रो. कृष्ण मुरारी **अध्यक्ष- प्रत्यूष सिंह**

रोटारैक्ट क्लब मानवता की स्थिरता के लक्ष्य की दिशा में उत्साह और प्रेरणा के साथ कुशलतापूर्वक काम कर रहा है। हमारे क्लब को रोटरी इंटरनेशनल प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया है। क्लब को अपनी उत्कृष्टता और कड़ी मेहनत से वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त है। पूरे वर्ष के दौरान कॉलेज क्लब को दो बार सर्वश्रेष्ठ क्लब के रूप में सम्मानित किया गया और जिले में हमारे **5** सदस्य हैं। सर्वश्रेष्ठ कार्यकारिणी परिषद के सदस्यों के रूप में अब तक **5** बार सम्मानित किया जा चुका है। हमारे जिले की अगले वर्ष की कार्यकारिणी परिषद में **5** सदस्यों को चुना गया है जिसमें जिला संयुक्त सचिव, आंचलिक जैसे पद विद्यमान हैं। इस कार्यकाल में हुई घटनाओं में क्लब ने **200** से अधिक परियोजनाओं के साथ **5000** से अधिक लोगों के जीवन को प्रभावित किया है। क्लब के द्वारा वस्त्र दान, अन्नदान, मासिक धर्म स्वच्छता, शिक्षा, व्यावसायिक विकास, रक्तदान शिविर और कई तरह की गतिविधियां शुरू की गई हैं। हम अपने प्राचार्य प्रो. आर. के. गुप्ता सर और कॉलेज प्रबंधन के आभारी हैं।

नेशनल इनोवेशन एंड स्टार्ट-अप पॉलिसी
संयोजिका - श्रीमती सोनिया ढींगरा

शिक्षा मंत्रालय के 'नेशनल इनोवेशन एंड स्टार्ट-अप पॉलिसी' के कार्यान्वयन के लिए पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज (सांध्य) की गठित संस्था 'इनोवेशन काउंसिल' ने **IIC** अध्यक्ष श्रीमती सोनिया ढींगरा और डॉ. सोनिका नागपाल, नोडल ऑफिसर (राष्ट्रीय नवाचार और स्टार्टअप नीति) के मार्गदर्शन में अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया। सेल ने **9** नवंबर, **2021** को सामाजिक उद्यमिता पर एक वेबिनार का आयोजन किया। **ISERD** एनालिटिक्स के सह-संस्थापक श्री शेखर सुमन और श्री बृजेश जुनेजा वेबिनार में मुख्य वक्ताओं के रूप में आमंत्रित हुए। श्री शेखर ने उद्यमशीलता प्रक्रिया में शामिल विभिन्न चरणों के बारे में बताया और किसी भी उद्यम की मापनीयता और स्थिरता की आवश्यकता पर जोर दिया। श्री

बृजेश ने सामाजिक उद्यमिता के क्षेत्र और वर्तमान परिदृश्य में इसकी प्रासंगिकता के बारे में चर्चा की। उन्होंने स्टार्टअप इंडिया, स्टैंडअप इंडिया जैसी सरकारी पहलों के बारे में बात करते हुए स्टार्टअप इंडिया पोर्टल में पंजीकरण की प्रक्रिया के बारे में बताया। सेल ने जेस्ट- मार्केटिंग क्लब और करियर गाइडेंस कमेटी के सहयोग से **24** नवंबर, **2021** को डिजिटल मार्केटिंग पर एक वेबिनार का आयोजन किया। डॉ. कल्पना कुमारन, एसोसिएट प्रोफेसर और **HOD - PGDM** डिजिटल मार्केटिंग एंड ट्रांसफॉर्मेशन, **ITM** बिजनेस स्कूल कार्यक्रम इस आयोजन में मुख्य वक्ता थी। उन्होंने डिजिटल मार्केटिंग के विभिन्न पहलुओं जैसे ई-कॉमर्स और ई-बिजनेस के बीच अंतर, ई-कॉमर्स से ई-बिजनेस में बदलाव, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर व्यवसाय चलाने के लाभों पर भी प्रकाश डाला।

• **Enactus, IQAC** और विद्या विस्तार योजना के सहयोग से सेल ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म जूम पर **15** जनवरी, **2022** को 'वैश्विक संकट के दौरान कौशल सुधार और अपस्किलिंग' विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया। **ITM** बिजनेस स्कूल, मुंबई से **IT** पेशेवर और पूर्णकालिक सॉफ्ट स्किल ट्रेनर प्रो. खुशबू वर्मा ने कोविड के बाद के समय में सॉफ्ट और हार्ड स्किल्स को बढ़ाने की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने पेशेवरों के साथ संपर्क विकसित करने में सोशल मीडिया और नेटवर्किंग साइटों के महत्त्व और लोगों पर अच्छा प्रभाव बनाने के लिए आवश्यक कौशल का भी उल्लेख किया।

वाणिज्य परिषद्

संयोजिका - डॉ. अनीता बजाज

छात्र प्रतिनिधि- हेमंत बिष्टो

वाणिज्य परिषद् (कॉमर्स एसोसिएशन) कॉलेज की एक सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों की प्रमुख सोसाइटी है, जो वाणिज्य विभाग के विद्यार्थियों में पढ़ाई के अलावा अन्य क्षेत्रों में नवीन विचारों, सूचनाओं और महत्त्वपूर्ण जानकारियों को प्रदान करती है। सत्र के आरम्भ में **10** अगस्त, **2021** को साक्षात्कार के बाद, **18** योग्य कैबिनेट सदस्यों को शैक्षणिक वर्ष **2021-22** के लिए वाणिज्य संघ में शामिल किया गया था, जिसे "एंथ्रोन" शीर्षक से एक अलंकरण समारोह का नाम दिया गया। समारोह में द्विवार्षिक समाचार पत्र "वाणिज्य" के उद्घाटन अंक का भी शुभारंभ किया। इसके बाद **23-09-21** को सभी नवनियुक्त कैबिनेट सदस्यों के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। इस समारोह में कॉमर्स समिति द्वारा वर्ष भर किये जाने वाले कार्यों की सूचना दी गयी और विद्यार्थियों में विभागीय कामकाज के साथ - साथ सर्वोत्तम परिणाम लाने के लिए नेतृत्व और सामूहिक कार्य के महत्त्व के बारे में बताया गया। एसोसिएशन ने **1** से **3** सितंबर, **2021** तक एक ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसे **"Insquiz"**कहा जाता है, जिसे हमारे सोशल मीडिया हैंडल जैसे इंस्टाग्राम, फेसबुक और लिंक्डइन के माध्यम से विज्ञापित किया गया था। जिसमें **80** से ज्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। **Rotaract club** के सहयोग से **'**लिंक्डइन प्रोफाइल एंड नेटवर्क बिल्डग**'** विषय पर एक ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन **12** सितम्बर, **2021** को किया गया। इसमें मुख्य वक्ता सुश्री धैर्या गंगवानी थी, जिनका प्रोफाइल भारत में शीर्ष **15** लिंक्डइन प्रोफाइल में से एक है। उन्होंने छात्रों को लिंक्डइन पर एक अच्छी प्रोफ़ाइल बनाने के तरीके के बारे में जानकारी दी। कॉमर्स एसोसिएशन ने "स्टार्ट-अप टेल्स" की एक श्रृंखला प्रारम्भ की जिसका आयोजन **28** सितम्बर, **2021** को किया गया, जिसमें **'Be you'** ऑनलाइन एक्सेसरीज स्टोर की संस्थापक सुश्री शिवानी खत्री ने अपने विचार व्यक्त किए। **24** नवंबर, **2021** को ऑनलाइन माध्यम के द्वारा **'**अपना पहला निवेश कब और कैसे करें**'** विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। **17** जनवरी, **2022** को वित्त, विपणन, मानव संसाधन और प्रबंधन एवं सी.एस.आर. से संबंधित सामग्री साझा करने के लिए **Instagram** पर **COMMPEDIA** (वाणिज्य विश्वकोश) लॉन्च किया गया । वाणिज्य संघ का वार्षिक उत्सव **"COMMANTRA- 2022"** का आयोजन **12-13** फरवरी, **2022** को किया गया था। इसमें अनुसंधान, स्क्विड खेल, केस स्टडी को सुलझाने की प्रतियोगिता, विज्ञापन बनाने की प्रतियोगिता आदि प्रमुख प्रतियोगितायें आयोजित की गयी। **9** अप्रैल, **2022** को ऑनलाइन माध्यम के द्वारा 'अभिनंदन' फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया गया। कॉमर्स एसोसिएशन ने आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (**IQAC**) तथा बुनियाद शैक्षिक संस्था के साथ संयुक्त रूप से **12** अप्रैल, **2022** को **'Fundamentals of Supply Chain Management'** विषय पर एक वेबिनार आयोजित किया, जिसमें प्रोफेसर नचियप्पन सुब्रमण्यम, **University of Sussex Business School, England** मुख्य वक्ता के रूप में सम्मिलित हुए। कॉमर्स एसोसिएशन (वाणिज्य संघ) के द्वारा विद्यार्थियों का विदाई और सम्मान समारोह भी सफलतापूर्वक सम्पन्न कराया गया।

मातृभाषा प्रकोष्ठ

संयोजक - डॉ. अनिल स्वदेशी

इस प्रकोष्ठ ने प्राचार्य महोदय के मार्गदर्शन में **9** अप्रैल, **2021** को एक कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें कॉलेज के छात्रों को भारत की किसी भी क्षेत्रीय / स्थानीय भाषा में **2** मिनट के लिए "माई कंट्री माई प्राइड" विषय पर बोलने के लिए आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं और टीचिंग व नॉन टीचिंग, ने भाग लिया। कार्यक्रम सफलतापूर्वक समाप्त हुआ। प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित दूसरा कार्यक्रम "भाषा शिक्षण अधिगम कार्यक्रम" था। सेल ने इच्छुक छात्रों को गूगल फॉर्म भरने के लिए सूचित किया। उन्हें चुनने के लिए भाषाओं का विकल्प दिया गया था। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को उनकी मातृभाषा के अलावा भारत की अन्य भाषाओं से परिचित कराना था। अंग्रेजी विभाग की हमारी फैकल्टी सदस्य प्रियंका चटर्जी मैम द्वारा पढ़ाई जाने वाली पहली भाषा बंगाली भाषा थी। कक्षा सप्ताह में एक बार लगती थी। यह क्लास **5** अगस्त, **2021** से शुरू होकर **28** नवंबर, **2021** तक चली। दूसरी भाषा पंजाबी शुरू की गई, जिसकी क्लास **21** अगस्त, **2021** से **12** फरवरी, **2022** तक चली , पंजाबी भाषा राजनीति विज्ञान विभाग के डॉ. परमीत सिंह द्वारा पढ़ाया जाता था। दिनांक **21-02-2022** को 'मातृभाषा दिवस' के उपलक्ष्य में "लोकगीत गायन" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र पटियाला के कार्यक्रम अधिकारी श्री रवीन्द्र शर्मा थे। इसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं और टीचिंग व नॉन टीचिंग स्टाफ ने भाग लिया।

फीडबैक रिपोर्ट

संयोजक - श्रीमती उदिता अग्रवाल, श्री आदित्य प्रताप सिंह

पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज (सांध्य) सत्र **2015 - 2016** से दोनों सेमेस्टर (सम और विषम) के लिए छात्रों से फीडबैक ले रहा है। एक सेमेस्टर में पेन पेपर से फीडबैक लेने के बाद हमने पूरी प्रक्रिया को ऑनलाइन कर दिया। सम सेमेस्टर जनवरी - मई, **2016** के लिए पहली बार ऑनलाइन फीडबैक लिया गया था। तब से यह प्रक्रिया जारी है। हम प्रत्येक सेमेस्टर में कम से कम **50%** उपस्थिति वाले छात्रों के फीडबैक का ही विश्लेषण करते हैं। हम कॉलेज और अन्य कारकों में बदलाव के आधार पर फीडबैक फॉर्म को बेहतर बनाने का भी प्रयास करते हैं। कोविड-**19** परिस्थितियों के कारण इस वर्ष फीडबैक के विभिन्न मानदंड ऑनलाइन शिक्षण अधिगम प्रक्रिया पर आधारित थे। कॉलेज ने इस साल अभिभावकों और नियोक्ताओं से फीडबैक लेना शुरू कर दिया है और एलुमिनाई से फीडबैक लेने की प्रक्रिया शुरू होने वाली है। जनवरी - मई, **2020** तक के सभी फीडबैक का विश्लेषण किया जा चुका है और नवंबर - दिसंबर **2021** तक के सभी फीडबैक छात्रों से एकत्रित किये जा चुके हैं। जुलाई - नवंबर, **2022** से फीडबैक विश्लेषण प्रक्रियाधीन है और बहुत जल्द पूरा कर लिया जाएगा।

मेंटर - मेंटी रिपोर्ट

संयोजक - श्रीमती उदिता अग्रवाल

हमारा कॉलेज अपने छात्रों को एक आदर्श, तनाव मुक्त वातावरण और उचित मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है। इस क्रम में कॉलेज पिछले कुछ वर्षों से एक मेंटर-मेंटी व्यवस्था का अनुसरण कर रहा है, जिसमें छात्रों को अकादमिक के साथ-साथ गैर-शैक्षणिक समस्याओं के सन्दर्भ में परामर्श दिया जाता है। कॉलेज के छात्रों को छोटे-छोटे समूहों में बांटा जाता है और प्रत्येक समूह को शिक्षण संकाय से मेंटर के रूप में एक सदस्य आवंटित किया जाता है। इस व्यवस्था के तहत मेंटर-मेंटी सूची की जानकारी कॉलेज की वेबसाइट पर दो नोटिसों के माध्यम से प्रदर्शित की जाती है, एक नोटिस शिक्षकों के लिए जिसमें विभागवार शिक्षक सूची के साथ मेंटर्स को इसके साथ संलग्न किया जाता है, जिसमें शिक्षक के नाम के सामने उनके मेंटियों के नाम, कक्षा और रोल नंबर दिए जाते हैं और दूसरा नोटिस छात्रों के लिए जिसमें छात्रों की कक्षावार सूची के साथ-साथ मेंटर का नाम संलग्न किया जाता है। कॉलेज सभी छात्रों को ई-मेल भी भेजता है, जिसमें उनके मेंटर का नाम और ई-मेल आईडी आदि शामिल होते हैं। मेंटी की जानकारी, उनका फोन नंबर और ई-मेल आईडी सभी शिक्षकों के साथ ई-मेल के माध्यम से भी साझा किया जाता है। मेंटर की सूची उनके फोन नं. और ई-मेल के कॉलेज

के पोर्टल पर उपलब्ध है, ताकि मेंटर-मेंटी एक-दूसरे से बार-बार मिल सकें। अगर कोई छात्रा, पुरुष मेंटर के साथ समस्या साझा करने से हिचकिचाती है, तो वह अपनी समस्या किसी भी महिला मेंटर के साथ साझा कर सकती है। सत्र **2021-22** के लिए छात्रों का **MENTOR-MENTEE** अनुपात **40** है।

गांधी स्टडी सर्किल

संयोजिका - सुश्री संगीता शर्मा

"अपने को खोजने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप खुद को दूसरों की सेवा में खो दें।" गांधी स्टडी सर्किल : पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज (सांध्य) ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की **152**वीं जयंती, **2** अक्टूबर, **2021** को गूगल मीट के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर एक कार्यक्रम– 'रिमेम्बरिंग बापू' के नाम से मनायी, जो महात्मा गाँधी जी के अतुल्यनीय जीवन और सिद्धांतों को समर्पित थी। पी.जी.डी. ए.वी. कॉलेज (सांध्य) के गांधी स्टडी सर्किल ने सांस्कृतिक समिति, आईक्यूएसी, विद्या विस्तार योजना और आजादी का अमृत महोत्सव के सहयोग से महात्मा गांधी के शहीद दिवस **30** जनवरी, **2022** को महात्मा गांधी और उन सभी स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि देने के लिए प्रार्थना सभा का आयोजन किया, जिन्होंने हमारे देश को स्वतंत्रता, समानता और प्रगति प्रदान करने के लिए लड़ाई लड़ी। हमारे प्राचार्य प्रो. आर. के. गुप्ता व शिक्षण स्टाफ ने छात्रों के साथ महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की। गांधी स्टडी सर्किल की संयोजिका सुश्री संगीता शर्मा ने महात्मा गांधी के कार्यों और सभी ऐतिहासिक घटनाओं के बारे में अच्छी तरह से बताया। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. आर. के. गुप्ता ने अपने प्रभावकारी वक्तव्य से छात्रों का मन मोह लिया। उन्होंने कहा, "युवा भारतीयों को हमेशा गांधी जी के सिद्धांतों का पालन करना चाहिए।" गांधी स्टडी सर्किल और कॉलेज की **NSS** इकाई ने अपनी वीडियो प्रस्तुति के माध्यम से महात्मा गांधी के प्रयासों को सम्मानित और स्वीकार किया। देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए शादाब म्यूजिक सोसायटी की टीम ने भजन और देशभक्ति के गीत गाए। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से किया गया।

इंटर्नशिप और प्लेसमेंट सेल

संयोजिका - डॉ. मृदुला अरोड़ा एवं डॉ. अनीता बजाज

जहां तक प्लेसमेंट के अवसरों का संबंध है, रोजगार की दृष्टि से महामारी का समय बहुत ही कठिन था। बहुत ज्यादा अवसर उपलब्ध न होने के बावजूद हमारे छात्रों में से शुभम किंगर को अमेरिकन एक्सप्रेस कम्पनी के लिए चुना गया। ऋषभ नरूला को **KPMG** में ऑडिट एनालिस्ट के रूप में चुना गया तथा हर्षित शुक्ला का न्यूलर्न टेक्नोलॉजीज में चयन हुआ। **3** मार्च, **2022** को इन्वेस्टर्स क्लिनिक की टीम ने भौतिक रूप से हमारे कॉलेज का दौरा किया और उपरोक्त कंपनी के लिए **33** छात्रों को शॉर्ट लिस्ट किया। हमारी सेल ने एक प्रमुख भर्ती और प्रशिक्षण मंच इंटर्नशाला के सहयोग से महामारी के समय में नौकरी चाहने वालों और स्टार्टअप्स, कॉर्पोरेट्स, **SME, NGO** और शिक्षा संस्थानों आदि के साथ इंटर्नशिप चाहने वालों की बैठक के रूप में कार्य किया है। हमें यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि हमारी अखिल भारतीय रैंकिंग **1200** प्रतिभागियों में से **247** थी और उत्तर क्षेत्र रैंकिंग **488** प्रतिभागियों में से **68** थी।

कोविड-19 टास्क फोर्स कमेटी

संयोजक - प्रो. बासुकी नाथ चौधरी

कोविड-**19** वैश्विक महामारी के प्रभावों को देखते हुए विश्वविद्यालय द्वारा निर्गत आदेशानुसार पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज (सांध्य) ने "कोविड-**19** टास्क फोर्स कमेटी" का गठन वर्ष **2020** में किया। इस कमेटी का गठन प्राचार्य प्रो. रवीन्द्र कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में किया गया। प्रो. बी. एन. चौधरी को कमेटी का संयोजक एवं महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षकों को कमेटी का सदस्य बनाया गया। "कोविड-**19** टास्क फोर्स कमेटी" ने कोरोना महामारी के कारण उपजी प्रशासनिक, शैक्षणिक और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का अध्ययन किया एवं उनसे निपटने के लिए विभिन्न कदम उठाए। महाविद्यालय में फिर से फिजिकल मोड में पाठ्यक्रम की शिक्षा शुरू होने से पहले "कोविड-**19** टास्क फोर्स कमेटी" के द्वारा कोरोना वायरस के प्रभाव से बचाव एवं कोविड प्रोटोकॉल की जानकारी एवं सूचना प्रदान करने के लिए एक ओरियंटेशन प्रोग्राम रखा गया। इस प्रोग्राम में लगभग **150** लोग (विद्यार्थी, शिक्षक एवं गैर शिक्षण सदस्य) उपस्थित हुए। कमेटी के संयोजक प्रो. बी. एन. चौधरी ने वहां उपस्थित सभी लोगों को कोविड-**19** से संबंधित सभी सूचनाएं एवं कोरोना वायरस से बचाव के लिए दिशा-निर्देश देते हुए टीकाकरण अभियान के बारे में भी जानकारी दी। "कोविड-**19** टास्क फोर्स कमेटी" ने गृह मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय, यू. जी. सी., दिल्ली सरकार और दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर जारी की गई कोरोना से संबंधित एडवाइजरी को महाविद्यालय में लागू किया और शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्रों को भी ई-मेल के माध्यम से सूचित किया गया। कोरोना महामारी के दौरान कोई भी विद्यार्थी प्रतिकूल परिस्थिति के कारण अपनी पढ़ाई बीच में ही नहीं छोड़े, इसके लिए "कोविड-**19** टास्क फोर्स कमेटी" ने कई प्रयास किए। इसी क्रम में जिन विद्यार्थियों ने कोरोना महामारी के कारण अपने माता-पिता को खो दिया, उन विधार्थियों को कमेटी ने महाविद्यालय के सहयोग से कई प्रकार की सुविधाएं प्रदान की जैसे-

- प्रत्येक सेमेस्टर के लिए पुस्तक एवं निशुल्क स्टेशनरी।
- ऑनलाइन क्लास के लिए लेपटॉप वितरण ।
- विद्यार्थी की यूनिवर्सिटी फीस जमा कराना।
- कॉलेज की पूरी फीस माफ करना।
- मासिक आर्थिक सहायता ।
- अपने घर से महाविद्यालय आने और जाने के लिए मेट्रो कार्ड प्रदान करना।

कमेटी ने नियमित तौर पर प्रशासनिक एवं शैक्षणिक भवन को सेनीटाइज करवाया। महाविद्यालय में जगह-जगह सभी विधार्थियों, शिक्षकों, एवं कर्मचारियों के लिए सैनिटाइजर की व्यवस्था की है। महाविद्यालय में ऑक्सीमीटर एवं थर्मल स्कैनर की व्यवस्था भी की गई है। महाविद्यालय ने अपने परिसर में टीकाकरण के लिए योग्य प्रत्येक आयु वर्ग के लोगों के लिए वैक्सीनेशन सेंटर स्थापित किया। पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय (सांध्य) हमेशा से छात्र एवं छात्राओं के विकास और मदद के लिए प्रतिबद्ध रहा है। विकट परिस्थितियों में भी कॉलेज ने जो मुमकिन हो सका, वे सभी प्रयास किए हैं, जिससे छात्र और छात्राओं की कोविड में मदद हो सके चाहे वह वैक्सीनेशन सेंटर की बात हो या जिस घटना में कोविड की वजह से जिस भी छात्र-छात्रा के माता-पिता की मृत्यु हो गई, उनके लिए हर मुमकिन प्रयास किया है चाहे उनके लिए लैपटॉप देना हो या उनके लिए मेट्रो कार्ड बनाना हो या लाइब्रेरी से बुक मुहैया कराना हो, या फिर फीस माफ करना हो, उनकी कोई और मदद की जा सकी, वो भी की है। कमेटी के **Convener** प्रो. बी. एन. चौधरी के प्रयासों के कारण **NGO** की सहायता से भी उन लोगों को कुछ धन-राशि भी प्रोवाइड करवाई है, जिसके माध्यम से उनका जीवन यापन आराम से चलता रहे और उन्हें किसी प्रकार की कोई दिक्कत ना आ सके। ऐसे प्रयास हमारी कमेटी ने किए हैं और वह निरंतर करती रहेगी। कमेटी के द्वारा सफलतापूर्वक किए गए सभी कार्यक्रम एवं योजनाओं का श्रेय हमारे प्राचार्य प्रो. रवीन्द्र कुमार गुप्ता को जाता है, जिनके मार्गदर्शन एवं सुझावों के कारण ही यह सब संभव हो पाया। हम आभारी है महाविद्यालय के गैर-शिक्षण सदस्यों के प्रति जिन्होंने कमेटी के प्रत्येक कार्यक्रम में योगदान दिया।

राजभाषा प्रकोष्ठ

नोडल ऑफिसर - डॉ. डिम्पल गुप्ता

वर्ष **2022** के मई माह में पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय (सांध्य) में दिल्ली विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार राजभाषा प्रकोष्ठ की स्थापना की गई, जिसका उद्देश्य यह है कि भारत सरकार की राजभाषा नीति का अनुपालन करते हुए संबंधित सभी बिंदुओं पर द्विभाषी रूप में कार्य किया जाएगा। प्रथम भाषा के रूप में हिंदी का प्रयोग अनिवार्य रूप से किया जाएगा तथा दूसरी भाषा के रूप में अंग्रेजी का प्रयोग होगा। इस दृष्टि से महाविद्यालय में संबंधित विषयों में अधिकांशतः द्विभाषा का प्रयोग किया जा रहा है, और इसी श्रृंखला में राजभाषा प्रकोष्ठ के अंतर्गत महाविद्यालय का

सर्वे किया गया है, समिति के निर्देशानुसार जहाँ-जहाँ द्विभाषा की आवश्यकता है, उनको भी जल्दी से जल्दी द्विभाषी रूप में सम्पन्न किया जाएगा।

एच आर क्लब "जेनिथ"
संयोजिका - डॉ. रुचिरा पाठक

पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज (सांध्य) के नवगठित जेनिथ क्लब ने **1**अप्रैल, **2021** को **"**हैप्पीनेस एट वर्कप्लेस : मिथक एंड रियलटीस" विषय पर अपना पहला वेबिनार आयोजित किया। वेबिनार के मुख्य वक्ता के रूप में हैप्पी**+** के संस्थापक डॉ. आशीष अंबस्ता उपस्थित हुए। डॉ. रुचिरा पाठक ने **H R** का अर्थ और महत्त्व बताते हुए क्लब को शुरुआत करने की सूचना सभी को दी और इस सेल को शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए प्राचार्य महोदय को धन्यवाद दिया। प्राचार्य प्रो. आर. के. गुप्ता ने सभी का स्वागत करते हुए, वेबिनार के आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई देते हुए, वेबिनार का विषय **'Gross Domestic Happiness'** (सकल घरेलू खुशी) की अवधारणा एवं उसके लक्ष्य का आंतरिक करण पर जोर देते हुए, मुख्य वक्ता का स्वागत किया। डॉ. आशीष अम्बस्ता ने अपने वक्तव्य की शुरुआत "खुश रहना महत्त्वपूर्ण नहीं है, बल्कि जरूरी भी है" जैसे महत्त्वपूर्ण वाक्य से की। डॉ. आशीष ने अपने वक्तव्य की शुरुआत

- खुशी का अर्थ
- खुशी के मिथक
- खुशी पाने के तरीके

जैसे व्यावहारिक पहलुओं पर बात करते हुए की। उन्होंने हैप्पी**+** कंसल्टेंसी का परिचय देते हुए बड़े रोचक तरीके से **MBA** का पूर्ण अर्थ - महारत, अपनापन और विवेकपूर्ण स्वायत्तता बताया। एक सर्वेक्षण का उल्लेख करते हुए उन्होंने खुशी की अवधारणा का विस्तार करने पर बल देते हुए कहा कि खुशी हमारे लिए महत्त्वपूर्ण है लेकिन आश्चर्यजनक रूप से यह हमारी प्राथमिकता नहीं है। डॉ. आशीष ने संघर्षशील और प्रयत्नशील जीवन की अवधारणा को भी समझाया। उन्होंने बताया कि एक शोध के अनुसार दुनिया भर में **83%** लोग ख़ुश नहीं हैं और संघर्षरत जीवन जी रहे हैं। खुश रहना महत्त्वपूर्ण नहीं बल्कि आवश्यक है क्योंकि इसके विभिन्न लाभ हैं। डॉ. आशीष ने दुःख के कारणों को स्पष्ट करते हुए उनका सामना करने का मार्ग भी सुझाया। उन्होंने कहा कि दूसरों से अपनी तुलना करने की बजाए आभार व्यक्त करें। दिखावा करने की बजाय खुद को खुश करें। श्रेष्ठता का पीछा करने की बजाय अपनी प्रतिभा की पहचान करें और अपने काम को गति दें। दूसरों को नियंत्रित करने की जगह चीजों को वैसे ही स्वीकार करें जैसे वे हैं। जीवन में हर चीज में दोष ढूँढ़ने की बजाय वर्तमान में रहें और छोटी-छोटी बातों की सराहना करें। उन्होंने ख़ुशी पाने के उन तरीकों पर ज़ोर दिया जो ईश्वर ने हमें दिए हैं, जैसे:-

1. सुखद जीवन

2. जीवन प्रवाह

3. रिश्तों का जीवन

4. उपलब्धियों का जीवन

5.जीवन का अर्थ

वेबिनार के अंत में सुश्री गरिमा भारद्वाज द्वारा सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

कॉलेज के 'मानव संसाधन क्लब' ने **26** मार्च, **2022** को "नौकरी के अवसर और चुनौतियां: एक करियर परिप्रेक्ष्य" विषय पर वेबिनार का आयोजन किया। कार्यक्रम में अटल बिहारी वाजपेयी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप, (जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी) के डीन और प्रो. अरविंद कुमार जी मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। मानव संसाधन क्लब की संयोजिका डॉ. रुचिरा पाठक ने औपचारिक रूप से प्रो. अरविंद कुमार का स्वागत किया और **2020** में मानव संसाधन क्लब को शुरू करने की पृष्ठभूमि बताते हुए कार्यक्रम की शुरुआत की। प्रो. अरविंद कुमार ने अपने भाषण की शुरुआत करियर विकल्प के महत्त्व को बताते हुए कहा कि सही निर्णय हमें जीवन भर खुश रखेगा। करियर के फैसले हमारे जीवन के सबसे महत्त्वपूर्ण फैसलों में से एक हैं। उन्होंने प्रबंधन के क्षेत्र में विभिन्न अवसरों को बताते हुए प्रबंधन में आने वाली समस्याओं को कैसे सीखें और नौकरी के दौरान आने वाली मुश्किलों को कैसे हल करें आदि का उल्लेख किया। प्रो. अरविंद कुमार ने छात्रों से कहा कि सीखने की बुनियाद कुछ मूल बातें होती हैं, साथ ही किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए एटीट्यूड भी उतना ही जरूरी है जितना कि प्रतिभा। कई बार एटीट्यूड उस टैलेंट से भी ज्यादा मायने रखता है। वार्ता के बाद प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन किया गया जहां प्रतिभागियों ने विशेषज्ञ से प्रश्न पूछे और अपनी शंकाओं का समाधान किया।

विरासत - द हिस्ट्री सोसाइटी
संयोजिका - डॉ. मृदुला अरोड़ा

कोरोना महामारी के बाद जब **17** फरवरी, **2022** को कॉलेज खुला तब, भारत का इतिहास सन् **1700-1950** कोर्स के छात्रों के बीच एक अंतर-खंड प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसका विषय था "भारत: **20**वीं शताब्दी के दूसरे भाग में विश्व के अन्य राष्ट्रीय मुक्ति आंदोलनों का एक अग्रणीय" इस गतिविधि में तीनों वर्षों से लगभग नौ छात्रों ने भाग लिया। चूंकि जेम्स बॉन्ड फिल्में शीत युद्ध के संदर्भ में इतिहास के पाठ्यक्रम में हैं, इसलिए **20** अप्रैल, **2022** को "विश्व इतिहास में मुद्दे: **20** वीं शताब्दी" के छात्रों के लिए एक सामूहिक स्क्रीनिंग का आयोजन किया गया। दिखाई गई फिल्में थी 'द स्पाई हू लव्ड मी' और 'द गोल्डन आई'। आज़ादी का अमृत महोत्सव के विषय पर छात्रों को भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के विभिन्न आयामों पर एक महीने की अवधि (मार्च से अप्रैल) के लिए पोस्टर तैयार करने के लिए कहा गया। इस गतिविधि में उन्होंने काफी उत्साह से भाग लिया। **21** अप्रैल, **2022** को रेडियो और सिनेमा के छात्रों को सबसे पुरानी मूक फिल्म **'**जमाई बाबू **1926'** दिखाई गई।

उद्योग संस्थान इंटरेक्शन सेल
संयोजक - डॉ. जय शंकर शर्मा

कॉलेज और उद्योग के साथ-साथ कॉलेज और अन्य शोध संस्थानों के बीच सहजीवी संबंध विकसित करने के लिए, प्राचार्य प्रो. आर. के. गुप्ता के मार्गदर्शन में वर्ष **2018** में "उद्योग संस्थान इंटरेक्शन सेल" (**III** सेल) शुरू किया गया था। सेल का उद्देश्य उद्योग के दौरों, ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप और उद्योग परियोजनाओं के माध्यम से छात्र और संकाय के लिए उद्योग के पर्याप्त अवसर प्रदान करना है। उद्योग के पेशेवरों को पाठ्यक्रम डिजाइन, वितरण और मूल्यांकन में शामिल करना ताकि छात्र उद्योग को तैयार किया जा सके, जिससे उद्योग के पेशेवरों की मदद की जा सके। अनुसंधान, प्रशिक्षण और परामर्श के माध्यम से उद्योगों को एवं उनकी समस्याओं को हल करने में मदद करने के लिए उच्च शिक्षा, सतत् शिक्षा और प्रशिक्षण के माध्यम से उनकी योग्यता, ज्ञान और कौशल का उन्नयन करना। उपर्युक्त उद्देश्यों के आलोक में, सेल ने **29** नवंबर, **2021** को काशी (वाराणसी) के वस्त्र उद्योग के लिए एक वर्चुअल ट्रिप का आयोजन किया। जिसके अतिथि वक्ता मो. कलीम (उद्यमी ट्रेनर और मास्टर वीवर) थे। ज़ूम पर इस गतिविधि का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग **90** छात्रों ने भाग लिया। वर्चुअल ट्रिप के परिणाम के रूप में छात्र कपड़ा उद्योग से संबंधित निम्नलिखित विशेषताओं के बारे में जानने में सक्षम हुए। कपड़ा उत्पादन प्रक्रिया का ज्ञान, विभिन्न प्रकार के यार्न के नाम, बुनाई

मशीन के हिस्से, धुलाई और इस्त्री, उद्योग कैसे स्थापित करें आदि। यह छात्रों के लिए एक लाभकारी यात्रा थी क्योंकि उन्होंने श्रमिकों के साथ बातचीत की और कपड़े से लेकर तैयार उत्पाद तक परिधान उत्पादन के बारे में व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया। कुल मिलाकर यह छात्रों के रोज़गार के लिए लाभदायक सेल है।

पुस्तकालय एवं वाचनालय

श्री पवन कुमार मैठानी

शिक्षा संस्थान में पुस्तकालय रीढ़ की हड्डी के समान कार्य करता है और पुस्तकालय के बिना किसी शैक्षणिक परिवेश की पूर्णता की कल्पना करना संभव नहीं है। वस्तुतः पुस्तकालय कल्पवृक्ष की तरह होता है जिसके प्रभाव क्षेत्र के अधीन होकर ज्ञान का साधक मनोनुकूल फल प्राप्त करता है। अति प्राचीन सामग्री से लेकर एक दम आधुनिक शोधों/आविष्कारों के लिखित, अंकित एवं प्रकाशित दस्तावेजों को हम पुस्तकालय के माध्यम से बड़ी आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। शिक्षा संस्थान में विद्यार्थी, शिक्षक एवं कर्मचारी सबके लिए पुस्तकों की जरुरत को पुस्तकालय ही पूरा करता है। निश्चित ही पुस्तकालय के सहयोग से ही हम शिक्षा के वास्तविक लक्ष्य को पूरा करते हैं। हमारे कॉलेज का पुस्तकालय इस दृष्टि से पूरी तरह सक्षम कहा जा सकता है। **31** मार्च, **2022** तक की गणना के अनुसार पुस्तकालय में इस समय विभिन्न विषयों से संबधित **57001** पुस्तकें हैं। **2021-22** के शैक्षणिक सत्र में कुल **Rs. 1,37,352** (मूल्य) की **346** पुस्तकें खरीदी गई हैं। इस वर्ष पुस्तकालय में कुल **Rs. 6,14,912** के व्यय का अनुमान है। वाचनालय में संस्कृत, हिन्दी और अंग्रेजी भाषाओं के **50** दैनिक, साप्ताहिक एवं मासिक पत्र-पत्रिकाएं नियमित रूप से उपलब्ध रहती है। पुस्तकालय के महत्त्व का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि **31** मार्च, **2022** तक प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों द्वारा **1,33,605** बार पुस्तकें पढ़ने के लिए निकलवाई गई। कॉलेज में पुस्तकालय संबंधी सेवाएं दोपहर **01:30** से रात्रि **08.30** बजे तक उपलब्ध रहती है। लेकिन परीक्षाओं को ध्यान में रखकर विद्यार्थियों की अध्ययन-सुविधा के लिए परीक्षा आयोजित होने के एक माह पूर्व से पुस्तकालय सेवाओं को प्रातः **09:00** बजे से शुरू कर दिया जाता है। जब पुस्तकालय प्रातः **09:00** बजे खुलता है, तब कॉलेज द्वारा विशेष सुविधा के तहत जो विद्यार्थी सुबह किसी कारणवश नाश्ता करके नहीं आ पाते, कॉलेज द्वारा उनको निःशुल्क नाश्ता/भोजन उपलब्ध कराया जाता है। पुस्तकालय को विद्यार्थियों के लिए उपयोगी बनाने के लिए कम्प्यूटर की सुविधा भी प्रदान की गई है। जिससे विद्यार्थी अपनी पुस्तक स्वयं सर्च कर सके। पुस्तकालय में अनुशासन व्यवस्था बनायें रखने के लिए **16 CCTV** कैमरा तथा वातानुकूलित हेतु **10 AC** लगे हैं। कॉलेज की गतिविधियों से विद्यार्थियों को लगातार अवगत कराने हेतु पुस्तकालय में **65** इंच कलर **TV** लगा हुआ है।

कोहा (KOHA) लाईब्रेरी सॉफ्टवैयर: कॉलेज पुस्तकालय को स्वचालन **(Automation)** की दृष्टि से अधिक उपयोगी बनाने के उद्देश्य से **1**अक्टूबर, **2021** से पुस्तकालय में क्लाउड बेस नया लाईब्रेरी सॉफ्टवेयर पर कार्य शुरू किया। यह सॉफ्टवेयर क्लाउड बेस होने के कारण विद्यार्थी व संकाय सदस्य घर बैठे अपने मोबाइल पर किसी भी पुस्तक को सर्च कर सकते हैं। पुस्तकालय कमेटी ने **16** मार्च, **2022** को कॉलेज की अन्य कमेटियों की सहभागिता से व **Avior Technologies Pvt Ltd.** के सहयोग से संकाय सदस्य, विद्यार्थियों एवम् कर्मचारियों के लिए प्रातः **11:30** बजे से कोहा सॉफ्टवेयर पर एक वेबिनार आयोजित किया, जिसका विषय **'Library Automation using KOHA'** था। कॉलेज के प्राध्यापक, कर्मचारी एवं विद्यार्थियों को ई-सेवा (ई-बुक्स - ई-जर्नल) का अधिक से अधिक निःशुल्क लाभ देने के उद्देश्य से कॉलेज पुस्तकालय ने सितंबर, **2017** से **N-LIST (National Library and Information Services Infrastructure for Scholarly Content), INFLIBNET (Information and Library Network Centre, Gandhi Nagar, Gujarat),** की संस्थागत सदस्यता ली है। **N-LIST** के माध्यम से उपयोगकर्ता कभी भी, कहीं से भी **6000** से अधिक ई-जर्नल्स एवं **1,35,000** से अधिक ई-पुस्तकों का लाभ ले सकता है।

उरकुंड सॉफ्टवेयर (URKUND Software):- संकाय के शोध कार्यों की गुणवत्ता जाँचने हेतु दिल्ली विश्वविद्यालय के पुस्तकालय सिस्टम से कॉलेज पुस्तकालय को जून, **2021** से विशेष सुविधा के तहत उरकुंड सॉफ्टवेयर **(URKUND Software)** की सुविधा प्राप्त हुई, जिसका लाभ हमारे कॉलेज संकाय सदस्यों को प्रोफेसरशिप की पदोन्नति में मिला।

पुस्तक निधि:- कॉलेज में पुस्तक निधि की स्थापना सन् **1975** ई. में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा **Rs. 15000/-** की सहायता राशि के साथ की गई थी। इस समय इस निधि में **1334** पुस्तकें हैं। इस निधि से पूरे साल कॉलेज के विद्यार्थियों को अध्ययन के लिये पुस्तकें प्रदान की जाती है। कॉलेज में विद्यार्थी सहायता कोष स्थापना सन् **1958** ई. में की गई थी, जिसका मूल उद्देश्य निर्धन-मेधावी विद्यार्थियों को पूरे वर्ष के लिए पुस्तकें प्रदान करना है। इस समय इस कोष में **4449** पुस्तकें हैं।

दिव्यांग छात्रों को विशेष सुविधा:- कॉलेज पुस्तकालय में दिव्यांग छात्रों को पढ़ाई में सहयोग देने के उद्देश्य से **ANGEL PRO CLASSIC DEVICE (in built talking Daisy Player, E-Book Reader, Mp3 Player, Radio & amp; Voice Recorder)** भी उपलब्ध है। यह सुविधा छात्र मनोज कुमार, रोल न. **2378** बी.ए. (प्रोग्राम) तृतीय वर्ष को निःशुल्क जारी की गयी है।

साउंड प्रूफ कक्ष : शिक्षा के बढ़ते आयाम व ऑनलाइन कक्षाओं को मद्देनजर रखते हुए मार्च, **2022** में कॉलेज पुस्तकालय में एक साउंड प्रूफ कक्ष बनाया गया, जिसमें कॉलेज संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों को वेबिनार व रिकोर्डिंग करने में आसानी होती है।

अभिलेखागार : कॉलेज पुस्तकालय द्वारा अभिलेखागार **(Archive)** संचालित किया जाता है। जिसमें कॉलेज स्थापना वर्ष **1958** से लेकर अब तक के सारे रिकॉर्ड / सूचनाएं / फोटोग्राफ्स / सी. डी. सुरक्षित हैं।

Twitter handle - @PGDAVEVE_DU

प्राचार्य प्रो. आर. के. गुप्ता के निर्देशन में तथा संयोजिका डॉ. श्रुति विप एवं डॉ. सोनिका नागपाल के मार्गदर्शन से महाविद्यालय में **24** मार्च, **2021** को ट्विटर एकाउंट खोला गया। इस ट्विटर एकाउंट को खोलने का मुख्य उद्देश्य सोशल मीडिया पर महाविद्यालय की उपस्थिति को सुदृढ़ करना था। जब से यह अकाउंट बनाया गया है तभी से महाविद्यालय की विभिन्न समितियों, प्रकोष्ठों तथा विभागों की महत्त्वपूर्ण गतिविधियों तथा विद्यार्थियों और शिक्षकों की उपलब्धियों को निरंतर ट्विटर पर साझा किया जाता है। इसी श्रृंखला में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, दिल्ली विश्वविद्यालय तथा शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी आवश्यक सूचनाओं को भी ट्विटर द्वारा साझा किया जाता है।

कॉलेज द्वारा छात्रों को प्रदतं पुरस्कार –

1. श्री बी. के. गुप्ता - श्रीमती विमला देवी स्मृति नगद पुरस्कार
2. श्री जगन्नाथ मधोक स्मृति पुरस्कार
3. श्री गुरूदत्त शर्मा स्मृति पुरस्कार
4. श्रीमती श्याम अग्रवाल स्मृति पुरस्कार
5. श्रीमती मथुरा बाई स्मृति पुरस्कार
6. श्री राज नारायण गोयल स्मृति पुरस्कार
7. डॉ. नित्यानंद शर्मा स्मृति पुरस्कार
8. श्री के. एल. अग्रवाल स्मृति पुरस्कार
9. श्री रामचन्द्र गुप्त एवं श्रीमती शांतिदेवी स्मृति पुरस्कार
10. श्री आर. सी. आनंद स्मृति पुरस्कार
11. श्रीमती शांति देवी मधोक एवं श्री राजेन्द्रनाथ मधोक स्मृति पुरस्कार
12. श्रीमती सावित्री देवी स्मृति पुरस्कार
13. श्रीमती द्रौपदी देवी एवं श्री राजपाल शर्मा स्मृति पुरस्कार
14. श्रीमती मधु शर्मा स्मृति पुरस्कार
15. श्रीमती रुक्मिणी देवी शर्मा स्मृति पुरस्कार (दो पुरस्कार)
16. डॉ. भाई महावीर मेमोरियल पुरस्कार
17. डॉ. दीपा प्रकाश स्मृति पुरस्कार
18. डॉ. एम. एस. वी. सुब्रह्मण्यम स्मृति पुरस्कार
19. श्री एस. एन. बधवार और श्रीमती आशा बधवार स्मृति पुरस्कार
20. श्री राजीव रंजन स्मृति पुरस्कार